केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

गलतियाँ हर एक से होती है, कुछ जानते नहीं और कुछ मानते नहीं !

वर्ष : 16 अंक : 269 | उज्जैन, गुरुवार 12 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

हमारे मध्यप्रदेश में जन्म से लेकर आजीवन पूजी जाती हैं बेटियां : मुख्यमंत्री

बेटियों और महिलाओं का कल्याण हमारी प्राथमिकता, सरकार उठा रही सभी कदम

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जहां बेटियां जन्म से लेकर आजीवन पूजी जाती हैं, वह सिर्फ़ और सिर्फ़ अपना मध्यप्रदेश ही है। नारी सदैव पूजनीय हैं। हम अपने देश को भी जननी मानकर भारत माता की जय कहकर पूजते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेटियों और महिलाओं के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। सरकार की योजनाएं महिलाओं के जीवन में हर कदम पर पक्की सहेली बनकर उनके साथ खड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को दमोह जिले के हटा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन सह शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के कारण प्रदेश के लिंगानुपात में व्यापक सुधार हुआ है। साथ ही बेटियों के प्रति समाज की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहनों की प्रगति और आशीर्वाद से ही प्रदेश में समृद्धि आ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से दमोह जिले के लिए 405 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की लागत के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इसमें लगभग 232 करोड़ रूपए की लागत से हटा से गैसाबाद सिमरिया मार्ग (एसएच-55) के 73 किमी मार्ग के टू-लेन रोड के रूप में उन्नयन एवं चौड़ीकरण, 74 करोड़ 44 लाख रूपए की लागत से मडियादो से बर्धा किशनगढ़ सड़क निर्माण और 48 करोड़ 89 लाख रूपये की लागत से मड़ियादो से रजपुरा मार्ग के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विरासत से विकास के मूल मंत्र को अपनाते हुए प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। विगत वर्ष बुंदेलखंड क्षेत्र के वैश्विक पर्यटन स्थल खजुराहो में स्टेट कैबिनेट की मीटिंग कर सरकार ने 27 हजार 500 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल में ही सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन का टीकाकरण शुरू हुआ है। उन्होंने सभी माताओं-बहनों से अपील करते हुए कहा कि अपनी 14 वर्ष से अधिक उम्र कीबेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं और दूसरे लोगों को भी ऐसा ही करने के लिए जागरूक करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है, इससे हमारी बेटियों का भविष्य आजीवन सुरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एचपीवी वैक्सीन का टीका लगवाने वाली हटा की 8 बेटियों को मंच से प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री ने पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हटावासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी करते हुए हटा का नाम बदलकर इसे शिवकाशी नाम देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हटा श्री श्री 1008 देवश्री गौरीशंकर की नगरी है, इसलिए अब इसे शिवकाशी के रूप में ही जाना जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हटावासियों को और भी कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि हटा में नवीन आईटीआई भवन बनाया जाएगा। हटा में सर्वसुविधायुक्त नवीन नगर पालिका भवन एवं भव्य गीता भवन भी निर्मित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में कार्य का दायदा बहुत विस्तृत है, इसलिए हटा के महाविद्यालय में अब कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन संकाय/विषय भी पढ़ाये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विनती-मड़ियादौ-चौरईया मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाएगा। हटा के शासकीय पीएमश्री महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में इंडोर ऑडिटोरियम बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पटेरा में नया महाविद्यालय खोले जाने की घोषणा करते हुए कहा कि मड़ियादो एवं देवरी फतेहपुर में नया हायर सेकेण्डरी भवन बनाया जाएगा। इसी प्रकार नगर परिषद तेंदूखेड़ा में तारादेही तिराहे से चौरई तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य कराए जाएंगे। नगर परिषद तेंदूखेड़ा में वार्ड क्रमांक 3 में सी.सी. रोड निर्माण कराया जाएगा। गहरा से चौपरा-सिमरी तक मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दमोह जिले में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना के जरिए बुंदेलखंड के हर खेत को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। खेतों में फसलें लहलहाएंगी, अब हटा से कोई रोजगार की तलाश में बाहर नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा अब 55 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है। इसमें 10 लाख हैक्टेयर रकबा तो पिछले 2 साल में ही बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। बेटियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। महिलाओं की खुशहाली में ही प्रदेश की खुशहाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमने 2 दिन पहले महिला दिवस मनाया है। अब आगे नवरात्रि आ रही है। राज्य सरकार नारी कल्याण के लिए समर्पित है। प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह सम्मानपूर्वक 1500 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

केवल भगवान और ट्रंप ही जानते हैं कि युद्ध कब खत्म होगाः एमजे अकबर

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट पर पूर्व विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर ने कहा कि केवल भगवान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही जानते हैं कि युद्ध कब समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप के युद्ध के उद्देश्य बदल रहे हैं, जिसमें शासन परिवर्तन अब शासन समायोजन में परिवर्तित हो गया है। अब संभवत- ईरान के खार्ग द्वीप के तेल केंद्र को लक्षित किया जा रहा है।अकबर ने कहा- खैर, केवल भगवान और राष्ट्रपति ट्रंप ही जानते थे कि युद्ध कब खत्म होगा, लेकिन जो कुछ हुआ है और जो होने के आसार हैं, उसके बारे में एक अधिक तार्किक समझ होनी चाहिए। मुझे लगता है कि यह सीधे तौर पर कहा जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध समाप्त नहीं करना चाहेंगे जब तक कि वे किसी प्रकार की विजय की घोषणा नहीं कर सकते। ऐसा न कर पाने की कीमत उन्हें देश और विदेश में बहुत ज्यादा चुकानी पड़ रही है और उनके पूरे प्रशासन और पूरे कार्यकाल की क्रेडिबिलिटी अब असल में इस युद्ध के नतीजे पर टिकी हुई है। अकबर ने कहा कि प्रेसिडेंट ट्रंप के सामने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ दांव पर लगा है और जब तक वह साफ तौर पर अमेरिकी कामयाबी या जीत नहीं दिखा देते, तब तक उनके जंग खत्म करने की उम्मीद कम है। यह लगभग उतना ही खतरनाक खेल है जितना हमने सदी के इस समय में सोचा था। अकबर ने ईरान के लचीलेपन की ओर इशारा करते हुए कहा कि ईरान ने कुछ महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं और अमेरिकी ठिकानों पर ईरानी ड्रोन हमले ने उनकी क्षमताओं को साबित किया है। ईरानी साबित कर चुके हैं कि वे कमजोर नहीं हैं। सर्वोच्च नेता खामेनेई की हत्या ने अनजाने में धार्मिक शासन को कमजोर करने के बजाय मजबूत किया है। अकबर ने खार्ग द्वीप को लक्षित करने की संभावना पर चर्चा करते हुए कहा कि यह अमेरिका के लिए विजय की परिभाषा हो सकती है।

दोबारा न पैदा हो छांगुर जैसा व्यक्ति, बलरामपुर में सीएम योगी की पुलिस-प्रशासन को दो टूक

बलरामपुर/ जीएनएस। जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो टूक हिदायत दी कि छांगुर जैसा व्यक्ति कहीं भी दोबारा न पनपे। उन्होंने प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि सीमा पर साशस्त्र सीमा बल और पुलिस संयुक्त निगरानी करें। नवधनाड्यों की संपत्ति की जांच कराई जाए। ग्राम चौकीदारों को सक्रिय किया जाए ताकि सीमा से सटे अथवा जिले में कहीं की भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल मिले। उन्होंने कहा कि मतांतरण के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर जैसे लोग से निपटना सरकार जानती है, लेकिन प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी है कि छांगुर जैसे लोग पैदा न होने पाएं। गौरतलब है कि सैकड़ों लड़कियों के जबरिया मतांतरण का आरोपित बलरामपुर निवासी छांगुर इस समय जेल मे है। इससे पहले सीएम ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट स्वशासी राज्य मेडिकल कालेज और मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने 50 एमबीबीएस सीटों की औपचारिकताएं पूरी करके जल्द पढ़ाई शुरू कराने का निर्देश दिया है। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के निरीक्षण में निर्माण मई तक पूरा करने की बात कही। कलेक्ट्रेट में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सदर तहसील में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय के लिए 50 एकड़ और सरदार वल्लभभाई पटेल औद्योगिक क्षेत्र के लिए 100 एकड़ जमीन चिह्नित करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई करने में किसी तरह की कोताही न करें। इसकी रिपोर्ट सीएम कार्यालय को भी भेजें।

ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर खाने का संकट! सिलेंडर की कमी से जूझ रहा विभाग, पेट्रोलियम मंत्रालय ने मांगी मदद

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में एलपीजी का संकट अब दिखने लगा है। सरकार भले ही यह दावा कर रही हो कि एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, लेकिन फिर भी देश के कई हिस्सों से सिलेंडर न मिल पाने की शिकायत मिलने लगी है। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग भी अब इसकी जद में आ गया है।

रेलवे यूटिलिटीज, कॉन्ट्रैक्टर्स और बेस किचन को LPG सप्लाई कम होने के बाद स्थिति गंभीर होती जा रही है। अब ट्रेनों और रेलवे स्टेशन की केटरिंग को जरूरी कैटेगरी में डाला जा सकता है। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री को इसके संबंध में लेटर लिखा गया है। इसके बाद पैसेंजर केटरिंग को भी शामिल किया जा सकता है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री के सेक्रेटरी को लेटर लिखकर इंडियन रेलवे के कामकाज के लिए LPG और PNG की लगातार और प्रायोरिटी वाली सप्लाई की मांग की है।

10 मार्च को लिखे लेटर में रेलवे बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया है कि ट्रेन सर्विस से जुड़ी कई ऑपरेशनल जरूरतों के लिए LPG सप्लाई जरूरी है। लेटर में कहा गया है कि रेलवे प्रोडक्शन यूनिट्स में पहियों जैसे जरूरी पार्ट्स बनाने के लिए LPG की जरूरत होती है।

रेलवे बोर्ड ने पेट्रोलियम मिनिस्ट्री से रिक्वेस्ट की है कि जरूरत के हिसाब से LPG सप्लाई करने और प्रोडक्शन से जुड़ी जरूरतों के लिए ज्यादा से ज्यादा डिलीवरी करने पर विचार करे।

छत्तीसगढ़ः वायुसेना के विंग कमांडर ने की खुदकुशी, पत्नी से अनबन के चलते तनाव में थे अफसर

नई दिल्ली/ जीएनएस। रायपुर के पुरैना विधायक कालोनी में एयरफोर्स के विंग कमांडर 39 वर्षीय विपुल यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में पत्नी के साथ विवाद की बात सामने आ रही है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रमांकत साहू ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मृतक का मोबाइल जब्त- पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि विंग कमांडर विपुल यादव मूलत- उत्तर प्रदेश के वाराणसी के शहंशाहपुर के रहने वाले थे। उनकी नियुक्ति छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में थी। वह परिवार के साथ विधायक विश्राम गृह परिसर में रहते थे। वर्ष 2014 में उनका प्रेम विवाह हुआ था।

उनकी पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव भी पहले एयरफोर्स में अधिकारी थीं, लेकिन बाद में इस्तीफा देकर आइटी सेक्टर की एक कंपनी में काम करने लगीं। काम के सिलसिले में वह दो दिन पहले ही दिल्ली गई थीं। शुरुआती जांच में पता चला है कि दंपती के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा था और किसी बात को लेकर तनाव था। तनाव किस बात को लेकर था, इसका पता नहीं चल सका है। बुधवार सुबह जब उनकी घरेलू सहायिका चाय देने के लिए विपुल के कमरे में गई, तो उन्हें फांसी के फंदे पर लटका पाया।

ओम बिरला से कोई शिकायत नहीं, वह उन्हें सिर्फ बोलने नहीं देतेः विपक्षी सांसद

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्पीकर के खिलाफ विपक्ष भले ही अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया था, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उसका रुख ओम बिरला को लेकर पूरी तरह से नरम दिखा। चर्चा के दौरान विपक्ष ने न सिर्फ उनकी तारीफ की बल्कि यह भी कहा कि उन्हें बिरला से कोई शिकायत नहीं है। शिकायत सिर्फ इतनी है कि वह उन्हें बोलने नहीं देते है। विपक्ष सांसदों के चर्चा के दौरान सरकार को ही जमकर निशाना बनाया। साथ ही कहा कि लोकतंत्र का गरिमा को बनाए रखने की जिम्मेदारी सबसे अधिक स्पीकर और सरकार की है।

अविश्वास प्रस्ताव पर बुधवार को चर्चा में हिस्सा लेते हुए टीएमसी सांसद सयानी घोष ने कहा कि पार्लियामेंट में शायद ही कोई डेमोक्रेसी बची है क्योंकि विपक्षी सदस्यों की आवाज को दबा दिया गया है। आखिकार विपक्षी सांसदों को सदन में अपने अधिकारों के लिए लड़ने को मजबूर है। बिरला के खिलाफ उनकी कोई पर्सनल दुश्मनी नहीं

उन्होंने कहा कि ओम बिरला के खिलाफ उनकी कोई पर्सनल दुश्मनी नहीं है और न ही उनके खिलाफ कोई पर्सनल शिकायत है। दिक्कत यह है कि वह उन्हें सरकार के खिलाफ बोलने नहीं देते है। घोष ने कहा कि पार्लियामेंट को पार्टी ऑफिस मत बनाइए।उन्होंने इस मौके पर एसआइआर, बंगाल का पैसा रोकने जैसे मुद्दे भी उठाए।

इस दौरान कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी अमेरिका पर भारत को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। साथ ही बालाकोट की घटना पर सरकार के रवैए का जिक्र किया।

विपक्षी के नेता का माइक बार-बार बंद- वहीं कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि लोकतांत्रिक परंपरा जिस तरह से खत्म हो रही है, ऐसे में उसे बचाने की जिम्मेदारी प्रमुख पदों पर बैठे लोगों की खासकर सरकार व चेयर की है, लेकिन चेयर ने हमेशा विपक्ष की न सुनकर सरकार की सुनी।

ईरान-इजरायल जंगः भारत के पास कितने दिनों का कोयला भंडार; क्या कहते हैं आंकड़े?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ी चिंताओं और इस साल सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावनाओं के बीच भारत के लिए राहत की खबर है।

देश में कोयले का कुल भंडार बढ़कर करीब 21 करोड़ टन तक पहुंच गया है, जो मौजूदा खपत दर के हिसाब से लगभग 88 दिनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

कितने दिन का कोयला शेष- सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में कोयले का उत्पादन और आपूर्ति, दोनों ही खपत से अधिक बने हुए हैं। इसी कारण तापीय बिजलीघरों और खदानों में कोयले का रिकॉर्ड स्तर का भंडार जमा हो गया है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक खदानों पर स्थित पिटहेड स्टॉक में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। 1 अप्रैल 2025 को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की खदानों पर कोयले का भंडार 10.68 करोड़ टन था, जो 9 मार्च 2026 तक बढ़कर 12.14 करोड़ टन हो गया था।

अब 82% ग्रामीण घरों में शुद्ध पेयजल, राष्ट्रपति मुर्मु ने जल जीवन मिशन को सराहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के 82 प्रतिशत घरों में नल का पानी उपलब्ध है, जबकि जल जीवन मिशन की शुरुआत 2019 में केवल 17 प्रतिशत घरों में ही यह सुविधा थी।

जल महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में पानी केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

शुद्ध पेयजल रोगों के उपचार- उन्होंने कहा कि जल जीवन का आधार है। हमारी परंपराओं में जल को अनेक रोगों के उपचार के रूप में पूजा जाता है। हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का पहला शब्द सुजलम है, जिसका अर्थ है अच्छे जल संसाधनों से भरपूर।

मुर्मु ने बताया कि पहले ग्रामीण परिवारों को पीने के पानी तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ता था और महिलाओं और बच्चों को अक्सर इसे लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन आज स्वच्छ और सुरक्षित पानी घरों तक पहुंचता है, जो जल जीवन मिशन की सफलता को दर्शाता है।

इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत देश के 15 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन मिले हैं। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2019 में शुरू किए गए इस मिशन का उद्देश्य न केवल नल का पानी उपलब्ध कराना है, बल्कि ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य, सम्मान और सुविधा के एक नए युग की शुरुआत करना भी है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत कराए जाएंगे?

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे पर हुए विवाद, राज्यपाल को बदला जाना और चुनाव आयोग की टीम के दौरे के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन के बाद इन अटकलों को और बल मिला है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन का कोई लंबा इतिहास नहीं रहा है.इससे पहले 30 अप्रैल 1977 को केंद्र ने तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था, जो वाममोर्चा सरकार के शपथ ग्रहण तक 52 दिनों तक जारी रहा था.एसआईआर पर बंगाल सरकार और चुनाव आयोग में टकराव चरम परउस घटना के 49 साल बाद अब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक हलकों में यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या बंगाल एक बार फिर राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ रहा है? मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल सात मई तक है.अगर तब तक चुनावी प्रक्रिया पूरी होकर नई सरकार का गठन नहीं हुआ तो राष्ट्रपति शासन लागू करना संवैधानिक मजबूरी बन जाएगी.चुनाव आयोग का दौराचुनाव आयोग की पूर्ण पीठ ने अपने तीन दिन के कोलकाता दौरे के दौरान तमाम राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया था।

अपने दौरे के आखिरी दिन 10 मार्च को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल का कोई जवाब नहीं दिया.उन्होंने इतना कहा कि दिल्ली लौटने के बाद कानून व व्यवस्था की स्थिति की गहन समीक्षा के आधार पर चुनाव की तारीख और मतदान के चरणों के बारे में फैसला किया जाएगा.इसके बाद अब निगाहें केंद्र को सौंपी जाने वाली आयोग की रिपोर्ट पर टिकी हैं.इससे पहले चुनाव आयोग की टीम से मुलाकात के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अलावा बाकी राजनीतिक दलों ने एक या अधिकतम दो चरणों में मतदान कराने की मांग की थी.आखिर पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर इतना विवाद क्यों मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीर लगी होगी.कोई उम्मीदवार अगर चाहे, तो मतदान के सात दिनों के भीतर ईवीएम की जांच करा सकेगा.उनके मुताबिक, पारदर्शिता के लिहाज से हर मतदान केंद्र पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था रहेगी।

उन्होंने बताया कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे.लेकिन क्या चुनाव से पहले विचाराधीन करीब 60 लाख लोगों के दस्तावेजों की जांच का काम पूरा हो जाएगा? इस सवाल पर आयोग का कहना था कि अभी इसके लिए पर्याप्त समय है.हमारा मकसद शांतिपूर्ण चुनाव कराना है.इसके लिए तमाम जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

इंदौर में घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं, उपभोक्ता घबराएं नहीं - कलेक्टर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और आम उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसी, अवन्तिका के सेल्स अधिकारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि, एचपीसीएल गैस प्लांट मांगलिया के मैनेजर तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे। किसी भी उपभोक्ता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि हाल ही में लोगों में आशंका के कारण बुकिंग में अचानक वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों के आंकड़ों में सामान्य दिनों की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक बुकिंग दर्ज की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोगों में अनावश्यक भय का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि 14 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से बुकिंग के आधार पर सिलेंडर मिलते रहेंगे। ऑयल कंपनियों द्वारा केवल इतना बदलाव किया गया है कि सिलेंडर की अगली बुकिंग का अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। उपभोक्ताओ को सामान्यतः बुकिंग के तीन दिन के भीतर डिलेवरी घर पर ही ओटीपी के माध्यम से दी जा रही है।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित है। इसलिए होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को अस्थायी रूप से डीजल भट्टी, इंडक्शन, इंफ्रारेड इलेक्ट्रिक कॉइल जैसे वैकल्पिक साधनों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने गैस एजेंसियों को निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं को समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए और किसी प्रकार की कालाबाजारी नहीं होने दी जाए। यदि होटल या अन्य व्यवसायों को घरेलू सिलेंडर दिए जाने की शिकायत मिलती है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि शैक्षणिक संस्थान और अस्पतालों के लिए ऑयल कंपनी द्वारा दी गई छूट अनुसार कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति सुचारू बनी रहेगी। प्रशासन द्वारा निगरानी के लिए तीन जांच दल गठित किए गए हैं, जो सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी करेंगे, ताकि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने बताया कि गैस वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अब सिलेंडर डिलीवरी के समय उपभोक्ता से ओटीपी अनिवार्य रूप से लिया जाएगा, जिससे अनियमितता की संभावना कम होगी।

साथ ही, शहर में जहां पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां होटल और रेस्टोरेंट को प्रक्रिया पूर्ण कर तत्काल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। अवंतिका गैस कंपनी ने इस संबंध में त्वरित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है।

समस्या होने पर इन नंबरों पर करें शिकायत- इंदौर में घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई को लेकर फिलहाल किसी प्रकार की कमी या समस्या नहीं है। प्रशासन के अनुसार शहर में गैस की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

यदि किसी उपभोक्ता को भारत गैस, इंडेन गैस या एचपी गैस के डीलर द्वारा सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो इसकी शिकायत संबंधित कंपनी के कस्टमर केयर नंबरों पर की जा सकती है। भारत गैस हेल्पलाइन नंबर- 1800-22-4344 (टोल फ्री), इंडेन गैस कस्टमर केयर नंबर- 1800-2333-555 (टोल फ्री) और एचपी गैस कस्टमर केयर नंबर- 1800-2333-555 (टोल फ्री) उपभोक्ता इन टोल फ्री नंबरों पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर संबंधित कंपनी द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग की रोकथाम के लिए इंदौर में विशेष मुहिम प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग की रोकथाम के लिए विशेष मुहिम प्रारंभ की गई है। इस मुहिम के तहत घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने इस कार्रवाई के लिए तीन विशेष दलों का गठन किया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि इन दलों द्वारा आज सुबह से ही जांच की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई। दल प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक लगातार विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर स्थिति पर निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान जहां भी घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया जाएगा, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आज सुबह से चलाए गए अभियान के तहत तीनों दलों ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की। अब तक करीब 35 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए 105 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ वीडियो बनाकर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ रील और वीडियो बनाकर दहशत फैलाने वाले बदमाशों के विरुद्ध इंदौर पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 अमरेंद्र सिंह द्वारा ऐसे आरोपियों की पतारसी और गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि एक युवक अवैध हथियार के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है और लोगों में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलने पर थाना परदेशीपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुखबिर से प्राप्त जानकारी के आधार पर संदिग्ध आरोपी शुभम खटीक (29 वर्ष) निवासी जनता क्वार्टर परदेशीपुरा इंदौर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने जनता में दहशत फैलाने के उद्देश्य से अवैध फालिया लहराते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध हथियार फालिया बरामद किया गया, जिसे जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके विरुद्ध पहले भी एक अपराध दर्ज है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उक्त कार्रवाई थाना प्रभारी परदेशीपुरा के मार्गदर्शन में प्रधान आरक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, आरक्षक जयवेंद्र, पंकज, मेहर सिंह सहित पुलिस टीम द्वारा की गई।

मांगलियागांव रेलवे रोड ओवरब्रिज का निर्माण कार्य तेज़ी से जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल द्वारा संरक्षा, सुरक्षा, यात्री सुविधा और अधोसंरचनात्मक विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रतलाम मंडल के मांगलियागांव स्टेशन यार्ड के समीप समपार संख्या 45 के स्थान पर रोड ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस रोड ओवरब्रिज का निर्माण कार्य रतलाम मंडल की गतिशक्ति यूनिट द्वारा किया जा रहा है। परियोजना के तहत फाउंडेशन का कार्य पूर्व में ही प्रारंभ किया जा चुका है। ब्रिज के निर्माण से आसपास के ग्रामीणों, कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों तथा औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को दीर्घकालीन रूप से सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिकूल मौसम और स्थानीय यातायात दबाव के कारण कुछ समय के लिए निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। हालांकि अब मौसम की स्थिति अनुकूल होने के बाद निर्माण कार्य पुनः प्रारंभ कर दिया गया है और निर्धारित तकनीकी प्रक्रियाओं के अनुसार कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। रोड ओवरब्रिज का डिज़ाइन पहले ही स्वीकृत कर संबंधित एजेंसी को उपलब्ध करा दिया गया था और होली पर्व के बाद निर्माण कार्य में और अधिक तेजी लाई जा रही है। निर्माणाधीन ब्रिज के सभी पाइल्स का चिपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है।

महिला दिवस पर एमपी ट्रांसको इंदौर की 'सुपर पावर वुमन' नीलम खन्ना सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इंदौर की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस की वरिष्ठतम महिला अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना को उनके उल्लेखनीय योगदान, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पावर ट्रांसमिशन के क्षेत्र में ÷सुपर पावर वुमन÷ के रूप में पहचान स्थापित करने वाली श्रीमती नीलम खन्ना विगत कई वर्षों से इंदौर सहित संपूर्ण मालवा क्षेत्र की ट्रांसमिशन लाइन व्यवस्था का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। उन्होंने इंदौर में परंपरा से हटकर त्योहारों के दौरान रात्रि में ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेंस कराकर यह सुनिश्चित किया कि शहर की विद्युत आपूर्ति बाधित न हो।

इसके अलावा सिंगाजी पावर हाउस से आने वाली 400 केवी लाइन के कठिनतम क्षेत्र में ओपीजीडब्ल्यू की स्थापना का महत्वपूर्ण कार्य भी उनके नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इससे ट्रांसमिशन कंपनी को मालवा क्षेत्र में अपनीओपीजीडब्ल्यू लाइन विभिन्न दूरसंचार कंपनियों को लीज पर देने का अवसर मिला तथा पावर हाउस और सबस्टेशनों के बीच कम्युनिकेशन कनेक्टिविटी सुदृढ़ होने से प्रोटेक्शन सिस्टम को भी नया आयाम मिला।

इंदौर से शुरू हुआ रोको-टोको अभियान बना प्रदेशव्यापी- ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्र में हो रहे खतरनाक और गैरकानूनी निर्माण कार्यों को रोकने के लिए श्रीमती नीलम खन्ना ने इंदौर से रोको-टोको अभियान की शुरुआत की। यह पहल बाद में एमपी ट्रांसको का प्रदेश स्तरीय अभियान बन गई, जिसके माध्यम से नागरिकों को जागरूक कर पूरे प्रदेश में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए।

मातृशक्तियों की उपलब्धियों को नमन करने का अवसर : एमडी- इस अवसर पर प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने कहा कि महिला दिवस केवल एक अधिकारी के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि यह एमपी ट्रांसको की उन सभी मातृशक्तियों को नमन करने का दिन है, जिनके योगदान से कंपनी की कार्यसंस्कृति और उपलब्धियों को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में महिला इंजीनियरों की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व एमपी ट्रांसको के लिए गौरव का विषय है।

एक मई से 30 मई 2026 तक होगा मकानों की सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य

इंदौर में जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए जिला स्तर के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की जनगणना-2027 के सफल संचालन और प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए इंदौर जिले में व्यापक तैयारियां जारी है। जनगणना के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को विभिन्न चरणों में लगातार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में आज बुधवार से द्वितीय चरण का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण कलेक्टर कार्यालय स्थित ई-दक्ष केंद्र सेटेलाइट भवन में आयोजित हो रहा है। इस प्रशिक्षण में अधिकारियों को जनगणना से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं और तकनीकी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताया गया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इस चरण में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर भवनों और परिवारों से संबंधित प्रारंभिक जानकारी एकत्रित की जाएगी।

जनगणना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय और ग्रामीण स्तर पर चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों को जिला स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि जनगणना की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संचालित किया जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती निशा डामोर, वरिष्ठ जिला योजना अधिकारी श्री माधव बेंडे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना के जिला प्रभारी श्री सूरज बडगे ने प्रतिभागियों को सीएमएमएस (जनगणना प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग प्रणाली) पोर्टल के माध्यम से हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जिला जनगणना हस्तपुस्तिका, ग्राम निर्देशिका/नगर निर्देशिका अनुसूची तथा संपूर्ण प्रक्रिया प्रवाह के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों की सूची को एक्सेल शीट के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड करने तथा उनके नियुक्ति आदेश जारी करने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

नमामि गंगे अभियान के तहत आयुक्त ने एसटीपी निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत शहर में चल रही सीवरेज और जल प्रबंधन परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कबीटखेड़ी स्थित 120 एमएलडी क्षमता के एसटीपी और किला मैदान (मंडी सचिव कार्यालय के पास) स्थित 35 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट के निर्माण कार्यों का स्थल पर पहुंचकर अवलोकन किया तथा निर्माण एजेंसी से प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री श्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री श्री आकाश जैन, श्री प्रभात तिवारी सहित संबंधित एजेंसी और कंसल्टेंट के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आयुक्त श्री सिंघल ने दोनों स्थानों पर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए एजेंसी से प्रोग्रेस रिपोर्ट ली। कुछ स्थानों पर कार्य की गति अपेक्षाकृत धीमी पाए जाने पर उन्होंने निर्माण एजेंसी को साइट पर लेबर और संसाधन बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि शहर की सीवरेज व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत इंदौर शहर में लगभग 416 करोड़ रुपये की लागत से तीन एसटीपी संयंत्रों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें किला मैदान (मंडी सचिव कार्यालय के पास) पर 35 एमएलडी क्षमता का एसटीपी, कबीटखेड़ी में 120 एमएलडी क्षमता का एसटीपी तथा कनाडिया क्षेत्र में 40 एमएलडी क्षमता का एसटीपी शामिल हैं। आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए इन परियोजनाओं को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने मुसाखेड़ी स्थित स्काडा सिस्टम का भी अवलोकन किया। इस सिस्टम के माध्यम से शहर की जल आपूर्ति की स्थिति, प्रेशर, टंकियों के भराव स्तर आदि की निगरानी की जाती है। आयुक्त ने अधिकारियों को ग्रीष्म ऋतु के दौरान जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत से बुजुर्गों की समस्याओं का हो रहा समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत का संचालन किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) राजेश दंडोतिया के निर्देशन में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जा रहा है। प्रत्येक बुधवार को काउंसलिंग के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान निकालने का प्रयास किया जाता है।

इसी क्रम में 11 मार्च 2026 को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत के काउंसलर सदस्यों डॉ. आर.डी. यादव, पुरुषोत्तम यादव, रमेश शर्मा, सन्नी मोदी और संजय शर्मा की काउंसलिंग टीम के समक्ष कई प्रकरण प्रस्तुत हुए। इनमें से पांच मामलों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों की सुनवाई करते हुए अगली तारीख निर्धारित की गई।

इंदौर पुलिस की सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत लगातार प्रयास कर बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान निकालने का कार्य कर रही है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित न्याय और सहायता मिल सके।

आमजन को यह भी जानकारी दी गई है कि बुजुर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए रीगल चौराहा स्थित रानी सराय बिल्डिंग में नगर पुलिस सुरक्षा समिति के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आवेदन प्राप्त किए जाते हैं। यहां सीनियर सिटीजन और संबंधित पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग के माध्यम से कठिन से कठिन समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाता है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने राजस्व वसूली और नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी नेशनल लोक अदालत तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के लिए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने सिटी बस ऑफिस में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में राजस्व प्रभारी श्री निरंजन सिंह चौहान, अपर आयुक्त श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, उपायुक्त श्री केशव सगर, श्री प्रदीप जैन, सभी सहायक राजस्व अधिकारी, बिल कलेक्टर और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में महापौर श्री भार्गव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत तथा 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्तीय वर्ष से पहले नगर निगम द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि यह इस वित्तीय वर्ष की अंतिम लोक अदालत है, इसलिए सभी अधिकारी और कर्मचारी सक्रियता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक बकाया राजस्व की वसूली सुनिश्चित करें।

इंदौर में एचपीवी टीकाकरण अभियान पर मीडिया उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में बुधवार को एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान के संबंध में मीडिया उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंदौर की प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आशा बक्षी, एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विभाग के विभाग प्रमुख डॉ. निलेश दलाल और शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. पराग गांधी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. आशा बक्षी ने कहा कि एच.पी.वी. टीका नया नहीं है, यह 2006 से लगाया जा रहा है और इसके परिणाम काफी अच्छे हैं। मैं स्त्रीरोग विशेषज्ञा के तौर पर इस वैक्सीन को लगवाने की पुरजोर अनुशंसा करती हूँ, क्योंकि इस आयु वर्ग में वैक्सीन लगाने का यह सबसे उचित समय है, जो कि किशोरियों को एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करता है। आमजन से अनुरोध है कि वह किसी भी अप्रमाणिक तथा गलत तथ्यों पर आधारित किसी भी प्रचार सामग्री पर भरोसा न करें। डॉ. पराग गांधी ने कहा कि आस्ट्रेलिया ऐसा देश है, जिसने एचपीवी टीकाकरण के माध्यम से इस बीमारी का लगभग उन्मूलन कर दिया है।

सुनसान इलाके में महिलाओं से छेड़खानी करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इंदौर पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराधों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह एवं पुलिस उपायुक्त जोन- 01 कृष्ण लालचंदानी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को महिला अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोनङ्क01 सुमित केरकेट्टा और एसीपी गांधीनगर श्रीमती निधि सक्सेना के मार्गदर्शन में थाना राऊ पुलिस ने महिलाओं से छेड़खानी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 1 नवंबर 2025 को फरियादिया ने थाना राऊ में शिकायत दर्ज कराई थी कि केट रोड स्थित सुनसान क्षेत्र में एक अज्ञात स्कूटी चालक ने उनके साथ छेड़खानी करते हुए अभद्र टिप्पणी की और मौके से फरार हो गया। इस पर थाना राऊ में अपराध क्रमांक 631/25 धारा 75(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई और घटनास्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। साथ ही संदिग्ध की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

10 मार्च 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्ध एक्टिवा चालक केट रोड क्षेत्र में देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने महिलाओं को अकेला देखकर उनके साथ छेड़खानी करने की बात स्वीकार की है।

पीएससी पर सभी डॉक्टर ड्यूटी पर उपस्थित रहें, अनुपस्थित पर होगी होगा सीधे निलंबन

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन सहित मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएससी) पर ओपीडी में पदस्थ सीएचओ, मेडिकल ऑफिसर एवं डॉक्टर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। बिना किसी लिखित सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सीधे निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएससी पर डॉक्टर नियमित रूप से बैठें, मरीजों की जांच कर उचित उपचार प्रदान करें तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। अनुपस्थित की सूचना किसी भी माध्यम से प्राप्त होने पर होगी कार्यवाही। उन्होंने निर्देश दिए कि सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाली ओपीडी व्यवस्था की लाइव मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

बैठक में एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है। आमजन किसी भी प्रकार की गलत एवं भ्रामक बातों पर ध्यान न दें। स्वास्थ्य विभाग इस संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए। प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर टीकाकरण कार्य को गति दी जाए। जिला शिक्षा अधिकारी संकुल प्राचार्यों को निर्देशित करें कि स्कूल इस अभियान में सक्रिय सहयोग दें। 17 मार्च तक सभी स्कूलों में आठवी एवं नवी क्लास के बच्चों की पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग आयोजित की जाए। जिसमें एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में पेरेंट्स को जागरूक किया जाए। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करें और बच्चों के साथ टीकाकरण केंद्र आने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए जिला स्तरीय टीम भी गठित की जाए जो घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं के एएनसी रजिस्ट्रेशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सेक्टर एवं गांव स्तर पर शिविर लगाकर एएनसी रजिस्ट्रेशन तथा गर्भवती माताओं की समग्र आईडी बनवाई जाए। जिन क्षेत्रों में एएनसी रजिस्ट्रेशन में गैप है उसे जल्द पूर्ण किया जाए। इसके लिए लाइन लिस्टिंग तैयार कर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन स्वास्थ्य केंद्रों में 4 एएनसी चेकअप की प्रगति 50 प्रतिशत से कम है वहां विशेष शिविर लगाए जाएं और शत-प्रतिशत चेकअप सुनिश्चित किए जाएं। मॉडरेट एनीमिया के मामलों में सीएचओ बेहतर कार्य करें तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) वाली महिलाओं को चिन्हित कर उनका समुचित उपचार किया जाए। एएनसी जांच में लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर अथवा नर्स के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने गंभीर एनीमिया के मामलों में तत्काल उपचार योजना बनाकर बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए तथा सभी मामलों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने समग्र आईडी की ई-केवाईसी एवं डीबीटी संबंधित कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। एएनसी के लिए विशेष कैंप लगाकर सप्ताहभर अभियान चलाने तथा समग्र आईडी अपडेट करने के निर्देश दिए गए। बैठक में क्ष्ह॥ चिन्हांकन एवं डिलीवरी अपडेट की भी समीक्षा की गई तथा निर्देश दिए गए कि सभी डिलीवरी प्रकरणों को तत्काल पोर्टल पर अपडेट किया जाए। कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने के लिए अभिभावकों को प्रेरित करने के निर्देश दिए और कहा कि बच्चों को पूर्ण उपचार के पश्चात ही पोषण पुनर्वास केंद्र से छुट्टी दी जाए। बैठक में दस्तक अभियान एवं टीबी मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि एनसीडी कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाली सीएचओ को सम्मानित किया जाए। साथ ही आगामी बैठक में सर्वाइकल कैंसर की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की जाएगी। एंबुलेंस के खराब होने या बंद होने की स्थिति में दूसरी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराने पर पेनल्टी की कार्यवाही करें। एंबुलेंस के संबंध में जीपीएस डाटा भोपाल से मंगवाये। पीएम राहत योजना अंतर्गत जिन निजी अस्पतालों ने पंजीयन नहीं करवाया है, उन सभी अस्पताल को नोटिस जारी करें। ब्लॉक स्तर पर रोगी कल्याण समिति की बैठक लगातार आयोजित करवाए।

मंदसौर की झील गुप्ता बनी सिविल जज, गुजरात में हासिल किया 11वां स्थान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के लिए गर्व की बात है कि मंदसौर निवासी सुश्री झील गुप्ता ने गुजरात प्रदेश में आयोजित सिविल जज परीक्षा में 11वां स्थान प्राप्त कर शहर और परिवार का नाम रोशन किया है। झील गुप्ता, जिला सहकारी बैंक मंदसौर शाखा के शाखा प्रबंधक राजेंद्र लक्ष्मीनारायण गुप्ता की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और शहरवासियों में खुशी का माहौल है।

अपनी सफलता पर झील गुप्ता ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने लंबे समय तक निरंतर मेहनत और लगन के साथ तैयारी की। उन्होंने कहा कि तैयारी के दौरान कई चुनौतियां भी सामने आईं, लेकिन परिवार और शिक्षकों के सहयोग तथा आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने इन सभी कठिनाइयों को पार किया। झील गुप्ता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और परिवारजनों को दिया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के दौरान उन्होंने नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और विषयों की गहराई से समझ विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया। छात्रों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि जो युवा सिविल जज बनने का सपना देखते हैं, उन्हें निरंतर मेहनत, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। भविष्य की योजनाओं को लेकर झील गुप्ता ने कहा कि जज के रूप में वे न्याय व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने तथा आम लोगों को शीघ्र और निष्पक्ष न्याय दिलाने की दिशा में कार्य करना चाहती हैं।

जिला न्यायालय परिसर से राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन हुए रवाना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय नीमच तथा तहसील न्यायालय मनासा, जावद एवं रामपुरा में किया जाना हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बुधवार 11 मार्च 2026 को नवीन जिला न्यायालय परिसर, नीमच से माननीय विशेष न्यायाधीश श्री आलोक कुमार सक्सेना द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार-प्रसार वाहनों को रवाना किया गया।

उक्त प्रचार वाहनों के माध्यम से लाउड स्पीकर द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने वाले प्रकरणों एवं आमजन को होने वाले लाभों के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही प्रचार-प्रसार वाहनों पर पैरालीगल वॉलिंटियर्स द्वारा लोक अदालत से संबंधित पैम्फलेट का वितरण भी किया जाएगा। यह प्रचार रथ जिले के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर आमजन को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरण रखने हेतु प्रेरित करेंगे।

गर्मी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मार्च से जुलाई तक तापमान में बढ़ोतरी परिलक्षित होने के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे ने गर्मी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पिए, भले ही आपको प्यास न लगी हो। यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ रखें । ओआरएस का उपयोग करें और अपने घर के बने पेय जैसे नींबू पानी छाछ, लस्सी फलों के रस में थोड़ा नमक मिलाकर पिये। उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर अनानास, ककड़ी, खीरा और सलाद पत्ते का उपयोग करें। ढीले, सूती और हल्के रंग के कपड़े पहने। सीधे धूप के संपर्क में आने पर अपने सर को ढकने के लिए छाता, टोपी, तोलिया या अन्य पारंपरिक कपड़ों का उपयोग करें। धूप में बाहर निकलते समय जूते या चप्पल पहने । हवादार और ठंडी जगह पर रहे, दिन के दौरान खिड़कियां और पर्दे बंद रखें रात के समय में ठंडी हवा आने देने के लिए उन्हें खोल दें। यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो अपनी बाहरी गतिविधियों को सुबह और शाम सीमित रखें। दोपहर 12ः00 से 3ः00 तक धूप में बाहर निकलने से बचे । दोपहर में बाहर होने पर भारी मेहनत वाले काम ना करें। खाना पकाने के क्षेत्र को हवादार रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें।

120 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ा इंजन, मल्हारगढ़-मंदसौर नए ट्रैक पर हाईस्पीड ट्रायल सफल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम-नीमच रेलखंड पर मल्हारगढ़ से मंदसौर के बीच लगभग 24 किलोमीटर लंबे रेलवे दोहरीकरण कार्य के पूरा होने के बाद बुधवार को नए ट्रैक पर हाईस्पीड ट्रायल (गति परीक्षण) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ट्रायल के दौरान इंजन को 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ाया गया। इंजन सुबह 9.24 बजे मंदसौर स्टेशन से रवाना हुआ और निर्धारित समय से पहले ही करीब 21 मिनट से कम समय में मल्हारगढ़ स्टेशन पहुंच गया। ट्रायल सफल रहने के बाद अब इस नए ट्रैक पर जल्द ही नियमित ट्रेनों के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। रेलवे सूत्रों के अनुसार ट्रायल के दौरान सुरक्षा और तकनीकी मानकों की बारीकी से जांच की गई। इंजन के साथ एक कोच लगाया गया था और पूरे मार्ग पर ट्रैक की स्थिरता, सिग्नलिंग व्यवस्था, स्पीड क्षमता तथा अन्य तकनीकी पहलुओं का परीक्षण किया गया। हाईस्पीड ट्रायल सफल रहने पर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। इससे पहले मंगलवार को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) ई. श्रीनिवास ने रतलाम मंडल के अधिकारियों के साथ मोटर ट्रॉली के माध्यम से मल्हारगढ़, पिपलिया स्टेशन और मंदसौर के बीच ट्रैक का विस्तृत निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रैक की गुणवत्ता, रेलवे क्रॉसिंग, पुल-पुलियों और सुरक्षा से जुड़े अन्य पहलुओं की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर लगाए गए नए अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, सिग्नलिंग व्यवस्था और इंटरलॉकिंग सिस्टम को भी देखा गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन प्रणालियों के संचालन के लिए तैनात कर्मचारियों को पूरी तरह प्रशिक्षित किया जाए ताकि भविष्य में ट्रेनों के संचालन के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या न आए। रतलाम रेलवे मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि ट्रैक का हाईस्पीड ट्रायल सफल रहा है और सीआरएस की रिपोर्ट मिलने के बाद इस खंड पर ट्रेनों के संचालन की अनुमति मिल गई है। उन्होंने बताया कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही इस ट्रैक पर नियमित रेल यातायात शुरू कर दिया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मल्हारगढ़-मंदसौर रेलखंड के दोहरीकरण से इस मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और तेज होगी। इससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के संचालन में भी सुविधा मिलेगी तथा भविष्य में ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की संभावना भी मजबूत होगी। दोहरीकरण से रतलाम-नीमच रेलखंड पर रेल यातायात का दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिल सकेगी।

प्रतिष्ठित मारू परिवार और जैन संतों के खिलाफ साजिश

सकल जैन समाज में आक्रोश, एसपी से मिले, सीएसपी करेंगे जांच

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रतिष्ठित मारू परिवार और जैन संतों के खिलाफ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा गुमनाम पत्र लिखकर अनर्गल दुष्प्रचार करने का मामला सामने आया है। तरह तरह की शिकायतें की जा रही है। इस कृत्य से सकल जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आज सकल जैन समाज का एक प्रतिनिधि मंडल पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना से मिला और दोषियों का पता लगाकर इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। एसपी ने मामले में जल्द कार्रवाई का आश्वासन देकर सीएसपी को मामले में जांच सौंपी है।

मनीष मारू ने इस मामले में कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत सिंडीकेट बनाकर उनके और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि इसमें उनके कुछ करीबी लोग या व्यावसायिक प्रतिद्वंदी शामिल हो सकते हैं। सकल जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा जारी किए गए गुमनाम पत्रों में न केवल मारू परिवार, बल्कि जैन संतों के प्रति भी अभद्र टिप्पणी की गई है, जिससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष गजराज जैन ने कहा कि समाज के प्रतिष्ठित लोगों और साधु-संतों पर कीचड़ उछालकर उनकी छवि धूमिल करने का घिनौना प्रयास किया जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकार अजय लोढ़ा ने इसे एक खतरनाक प्रवृत्ति बताते हुए कहा कि किसी भी परिवार को बिना आधार बदनाम करना समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने विशेष रूप से अशोक मारू के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने बताया कि जैन के समाज संयोजक सुरेंद्र लोढ़ा के निर्देशन में प्रतिनिधि मंडल ने एसपी को मामले की पूरी जानकारी दी है।

इस अवसर पर सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सर्व श्री विजेंद्र सेठी, राजमल गर्ग, महामंत्री प्रताप कोठारी समाज के सह संयोजक अशोक मारू तथा तथा कृषि वैज्ञानिक व समाज के वरिष्ठ नरेंद्र सिंह सिपानी उपस्थिति थे ।

इनका कहना- जल्द से जल्द होगी कार्रवाई, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने बताया कि सकल जैन समाज का प्रतिनिधि मंडल आज मिला था। कुछ लोगों द्वारा अधिकारियों को अनर्गल पत्र लिखकर शिकायतें की जा रही हैं। इस पूरे मामले की जांच एडिशनल एस पी को सौंप दी गई है। जल्द ही इन असामाजिक तत्वों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नरवाई प्रबंधन के लिए पिपलौदा ब्लाक के किसानों को दिया गया आधुनिक यंत्रों के उपयोग का डेमोस्ट्रेशन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी देने के उद्देश्य से 10 मार्च से 13 मार्च तक विभिन्न विकासखंडों में कृषि उपकरणों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आज 11 मार्च को पिपलोदा के ग्राम जेठाना में किसान जगदीश माली निवासी ग्राम शक्कर खेड़ी की कोंबो कंबाइन हार्वेस्टर के द्वारा गेहूं की कटाई, थ्रेशिंग व भूसा एकत्रीकरण एक साथ करने का प्रदर्शन किया गया। ग्राम रणायरा में ट्रैक्टर चलित रीपर कम बाइंडर व ग्राम झांतला में स्वचालित रीपर कम बाइंडर का प्रदर्शन किया गया जो कि गेहूं की कटाई कर गेहूं को बांधने का काम करती है।

जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति के संबंध में गैस वितरको की बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती मिशा सिंह द्वारा आज कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष मे रतलाम शहर के एलपीजी गैस वितरकों की बैठक ली गई। बैठक में बताया गया कि जिले में गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिये रिफिल की बुकिंग अंतिम बार प्रदाय की गई रिफिल के 21 दिन अवधि से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। घरेलू गैस उपभोक्ता से अपील है कि वे धैर्य बनाये रखे। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सभी कम्पनियों के समस्त एलपीजी वितरकों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन घरेलू एलपीजी की उपभोक्ताओं द्वारा की जा रही बुकिंग की जानकारी संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) एवं अनुविभागीय दण?डाधिकारी तथा जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय, रतलाम में प्रतिदिन प्रातः 11 बजे तक प्रस्तुत करेंगे। समस्त वितरक यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके डिलेवरी मेन/हॉकर उपभोक्ताओं से नियत शुल्क से अधिक राशि प्राप्त नहीं करेंगे एवं स्नढ्ढस्नह्र प्रणाली के माध?यम से पूर्ववर्ती बुकिंग का वितरण पहले करेंगे। पैनिक बुकिंग की स्थिति में ऑयल कम्पनी के निर्देशानुसार डबल कनेक्शन की दशा में नियत समयावधि (25 दिन) अंतराल के उपरांत ही द्वितीय रिफिल डिलेवर करेंगे। समस्त वितरक व्यवसायिक एलपीजी वितरण के संबंध में अनिवार्य सेवाओं चिकित्सालय,जेल एवं शैक्षणिक संस्थाओं को व्यवसायिक रिफिल का वितरण करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य व्यवसायिक गतिविधियों हेतु आपूर्ति प्रतिबंधित रखेंगे। उपरोक्त के संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण हेतु जिला कार्यालय कलेक्टर (खाद्य) रतलाम में पृथक से कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो प्रातः 09ः00 से सायं 06ः00 बजे तक संचालित होगा। उक्त कन्ट्रोल रूम के व्हाट्सएप नंबर 9691115274, 9425991291 है। ई-मेल आईडी foodoffrat@mp.gov.in पर भी संपर्क कर सकते है। उपरोक्त के अतिरिक्त उपभोक्ता संबंधित गैस कम्पनी के हेल्पलाइन नंबर इण?डेन गैस 1800-2333-555 भारत गैस 1800-22-4344 एवं एचपी गैस 1800-2333-555 /एलपीजी हेल्पलाइन नंबर 1906 पर भी शिकायत दर्ज करवा सकेंगे।

सीएमओ सुमन ने सफाई दरोगाओं की बैठक ली, सख्त निर्देश भी दिए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी को लेकर कल नपा सभागृह में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रेम कुमार सुमन ने सफाई दरोगाओ की बैठक ली । बैठक में प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा एवं सभी 40 वार्डो के सफाई दरोगागण भी उपस्थीत थे ।बैठक मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुमन ने कहा की सभी सफाई दरोगा अपने कर्तव्य के प्रति सचेत रहे । प्रातःकाल एवं दोपहर की पाली में दोनो समय कर्मचारियों की उपस्थिती अपने कर्तव्य स्थल पर रहना चाहिए । सफाई कार्य के प्रति सभी कर्मचारी मुस्तेदी से कार्य करें ,यदि कर्मचारी अनुपस्थित रहते हैं या कार्य में लापरवाही करते हैं तो उनके विरुद्ध उचित कार्यवाही करें। सफाई दरोगा पार्षद व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ तालमेल बिठाकर वार्ड का प्रतिदिन भ्रमण करें और सफाई कार्य करायें । आगामी समय की स्वच्छता सर्वेक्षण होगा उसमें नपा को अच्छी रैंकिंग मिले इसके लिए कर्मचारी मुस्तेदी से अपने कार्य में लग जाऐं। जहां भी गंदगी दिखे उसे साफ कराए, यदि नागरिकों को समझाईश देने की जरूरत पड़े तो उनसे चर्चा करें लेकिन सफाई का कार्य सुनिश्चित होना चाहिए। नगर पालिका जहॉ भी आवश्यक होगा वहां रात्रि कालीन सफाई करायगी और कर्मचारियों को जो भी ससांधन देने जरूरी होगे वे समय पर उपलब्ध हों जाएगे इसलिए संसाधन की चिंता न करें। किसी भी हाल में सफाई के कार्य में लापरवाही नही रहना चाहिए। सभी 40 वार्डो के दरोंगा स्वच्छ सर्वेक्षण की महत्वपूर्ण इकाई है हमें पूरी मुस्तेदी से कार्य कर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की परिषद को पूरे प्रदेश में स्वच्छता सम्मान मिले ऐसा कार्य करना है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा सभी तहसील एवं जिला न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। जिसमें आपसी समझोते के आधार पर प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। इमी तारतम्य में भारत संचार निगम लिमिटेड, मंदसौर में भी अपनी राजस्व की लंबित राशि से संबंधित लगभग 303 प्रकरणों को नीमच, जावद एवं मनासा न्यायालयों में प्रस्तुत किया हैं। नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रिलिटिगेशन प्रकरणों के लिए नीमच, जावद एवं मनासा के न्यायालयों में संबंधित खंडपीठ के पीठासीन अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। भारत संचार निगम लिमिटेड ने नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष छूट का प्रावधान रखा हैं। उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार प्रकरण के निराकरण के लिए बी.एस.एन.एल. के कार्यालय में भी 14 मार्च 2026 के पूर्व भी सम्पर्क कर छूट का फायदा उठा सकते हैं।

सीएसवी अग्रोहा भवन नीमच में लगेगा सेवा का महाकुंभ

14 से 16 मार्च तक कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण व दिव्यांगों को नि:शुल्क उपकरण वितरण शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्रवाल विकास समिति नीमच और श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सीएसवी अग्रोहा भवन, गोमाबाई रोड पर दिव्यांगजनों के लिए भव्य कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण व निःशुल्क उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष गोपालकृष्ण गर्ग (जीएमडी), सचिव सुनील सिंहल और कोषाध्यक्ष अनिल मंगल ने संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि इस शिविर में जयपुर से विशेषज्ञ टीम अपनी वर्कशॉप के साथ नीमच आएगी। जिन दिव्यांगजनों के हाथ या पैर कट गए हैं, उनका नाप लेकर वहीं कृत्रिम अंग (जयपुर फुट) तैयार कर लगाए जाएंगे।

इसके अलावा जरूरतमंद दिव्यांगों को जांच के बाद ट्रायसिकल, कैलिपर्स, श्रवण यंत्र, इलेक्ट्रिक स्टिक, छड़ी, आर्म स्टिक, व्हीलचेयर और वॉकर जैसे उपकरण भी निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। शिविर के लिए दिव्यांगजनों का पंजीयन 1 मार्च से सीएसवी अग्रोहा भवन नीमच में लगातार जारी है। पंजीकृत दिव्यांगों के लिए भोजन की व्यवस्था के साथ आवश्यकता पड़ने पर आवास की सुविधा भी समिति द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

पंजीयन के लिए दिव्यांगजन आधार कार्ड और दिव्यांग प्रमाण पत्र के साथ संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी और पंजीयन के लिए व्हाट्सएप नंबर 6260614304 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

पंजीयन कार्य में गोपाल अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, अशोक सिंहल, बनवारीलाल गोयल, चन्द्रप्रकाश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, गुणवंत गोयल, इंजी. द्वारका बंसल और राजेश गोयल कनावटी सहित कई अग्रवाल बंधु अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

समिति पदाधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि जरूरतमंद दिव्यांगों को इस शिविर की जानकारी देकर उनका पंजीयन करवाएं और मानवता की सेवा के इस अभियान में सहभागी बनें।

नीमच में 'वसूली कांड' से सियासी भूचाल- कांग्रेस शहर अध्यक्ष घिरे, वायरल ऑडियो में जिलाध्यक्ष का जिक्र

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि और शहर अध्यक्ष मोनू लॉक्स के खिलाफ अवैध वसूली के आरोपों का मामला केंट थाने पहुंच गया। विवाद उस वक्त और गहरा गया जब इस पूरे मामले से जुड़े दो कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे।

मामला गांधी भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर फास्ट फूड की रेहड़ी लगाने वाले स्वप्निल गट्टानी से जुड़ा है। स्वप्निल गट्टानी ने अपनी कैंसर पीड़ित मां के साथ केंट थाने पहुंचकर शिकायत आवेदन सौंपा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उससे हर महीने दो से तीन हजार रुपये किराया के नाम पर मांगे जा रहे हैं और आसपास के अन्य लोगों से भी इसी तरह राशि वसूली जा रही है।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि नगरपालिका कर्मचारी योगेश टांकवाल द्वारा नट्स फास्ट फूड की रसीद काटने के बजाय अन्य नामों से रसीदें जारी की जा रही हैं और यह सब कथित तौर पर दबाव में किया जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में दो कथित ऑडियो भी पुलिस को सौंपे हैं। इनमें से एक ऑडियो करीब 1 मिनट 15 सेकंड और दूसरा 4 मिनट 27 सेकंड का बताया जा रहा है। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर गांधी भवन के मेंटेनेंस के नाम पर किराया लेने की बात सुनाई देने का दावा किया जा रहा है।

ऑडियो में कथित रूप से यह भी कहा जा रहा है कि तरुण भैया ने बोला हिसाब से ले लो, साथ ही बिपा गया कि, गांधी भवन का मेंटेनेंस भी देखना पड़ता है। हालांकि इस ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

वहीं इस पूरे मामले में मोनू लॉक्स ने मीडिया के सामने अपना पक्ष रखते हुए आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि स्वप्निल गट्टानी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और वह गांधी भवन परिसर में गंदगी फैलाने के साथ असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है तथा बिजली चोरी जैसी हरकतों में भी शामिल रहा है।

फिलहाल मामला केंट पुलिस के पास पहुंच चुका है और पुलिस वायरल ऑडियो समेत पूरे प्रकरण की जांच में जुटी हुई है। जांच के बाद ही इस मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

सम्पादकीय

सरेंडर की मांग से भड़का संघर्ष- क्या यह युद्ध लंबा और विनाशकारी होगा?

मध्य पूर्व अचानक संघर्ष की भयंकर आग में झुलस रहा है। 6 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से पूर्ण और बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की – कोई सौदा नहीं, कोई मध्यस्थता नहीं, सिर्फ पूरी तरह जीत। यह अल्टीमेटम युद्ध के सातवें दिन आया, जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर हजारों लक्षित हमले किए। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि केवल आत्मसमर्पण के बाद ही ईरान में नया महान और स्वीकार्य नेता चुना जाएगा और देश का पुनर्निर्माण होगा। इस मांग ने कूटनीतिक रास्तों को पूरी तरह बंद कर दिया है। वैश्विक मीडिया इसे मैक्सिमलिस्ट वॉर ऐम्स के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिससे साफ है कि यह संघर्ष लंबे समय तक जारी रह सकता है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोज़्तबा खामेनेई ने इसे केवल एक सपना करार देते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया, जिससे तनाव और भी गहरा गया है।

खामेनेई के कड़े शब्दों ने अमेरिका के लिए सीधे चुनौती खड़ी कर दी। ईरान ने ट्रंप का अल्टीमेटम ठुकराते हुए कहा, हम अंत तक लड़ेंगे। इसके तुरंत बाद, ईरानी मल्टी-वारहेड मिसाइलों ने इज़राइल और गल्फ क्षेत्रों को विनाश की आग में ढक दिया। 10 मार्च तक, युद्ध के 11वें दिन, 140 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं, जिनमें 8 की स्थिति गंभीर है। पेंटागन चुप है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर मोड कहते हैं। ईरान ने क्षेत्रीय सहयोगियों को सक्रिय किया, जिससे लेबनान में 10 लाख लोग विस्थापित हुए। यह संघर्ष अब एट्रिशन वार की ओर बढ़ रहा है, जहां कोई स्पष्ट विजेता दिखाई नहीं देता। ट्रंप का दावा कि ईरान की मिसाइल क्षमता 80% कम हो गई है, हकीकत से मेल नहीं खाता, क्योंकि जवाबी हमले लगातार जारी हैं। रूस के साथ ईरान की बातचीत अमेरिकी आर्थिक दबाव को और गहरा रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट की कगार पर खड़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे मेजर ह्यूमैनिटेरियन इमरजेंसी घोषित किया। अब तक 1000 से अधिक नागरिक स्थल तबाह हो चुके हैं। मध्य पूर्व में अस्थिरता फैल रही है, बेरूत से तेहरान तक बमबारी जारी है। तेल की कीमतें 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई हैं और होर्मुज स्ट्रेट में खतरे के कारण और बढ़ सकती हैं। जर्मन चांसलर ने चेतावनी दी कि बिना ठोस एग्जिट प्लान के युद्ध अनंत तक खिंच सकता है। चीन ने ईरान को स्पष्ट संदेश दिया कि अमेरिका और इजराइल को चुनौती न दें, जबकि रूस का समर्थन ईरान को जारी है। ट्रंप बार-बार विजय नजदीक बता रहे हैं, लेकिन मिसाइल हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। दुनिया की निगाहें थम गई हैं, क्योंकि किसी भी क्षण परमाणु खतरे का भय मंडरा रहा है। भारत की ऊर्जा व्यवस्था संकट के सबसे गंभीर मोड़ पर है। देश का लगभग 50-60% तेल होर्मुज स्ट्रेट से आता है, जो किसी भी समय पूरी तरह बंद हो सकता है और आपूर्ति ठप्प कर सकता है। पेट्रोल और डीजल 200 रुपये पार कर सकते हैं, जबकि एलपीजी की कमी घरेलू अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाल रही है। हवाई यात्रा ठप हो गई है, फ्लाइट्स 14 घंटे तक फंसीं और लाखों लोग प्रभावित हुए। फरवरी 2026 में आयातित तेल की मात्रा देश की कुल जरूरत का 53% थी, और अब वैकल्पिक स्रोतों की ओर नजरें गड़ाई गई हैं–रूस, अमेरिका और वेस्ट अफ्रीका ही संभावित विकल्प बन रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर पहुंच चुका है। दबाव और शांति के बीच संतुलन साधना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बैकचैनल्स के जरिए शांति के संकेत भेजे जा रहे हैं, लेकिन अल्टीमेटम से पीछे हटना लगभग असंभव है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि बिना रिजीम चेंज के कोई जादुई जीत संभव नहीं। ईरान ने सरेंडर नहीं किया; उसका नेतृत्व और भी रैडिकल हो गया है। अमेरिकी बलों ने अब तक 5000 से अधिक टारगेट्स हिट किए, लेकिन ईरानी मिसाइलें लगातार जारी हैं। पेंटागन की चुप्पी वैश्विक स्तर पर सवाल खड़े कर रही है और यह अल्टीमेटम युद्ध को लंबा खींच सकता है, जिससे आर्थिक भार अमेरिका पर भारी पड़ेगा।

ईरान पूरी तरह अमेरिका को थकाने और दबाव में रखने की रणनीति पर केंद्रित है। होर्मुज स्ट्रेट और प्रमुख तेल पाइपलाइंस को निशाना बनाकर उसने वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ा दिया है। क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने के लिए विद्रोही समूहों को सक्रिय करना उसकी रणनीति का हिस्सा बन गया है। युद्ध का कोई सुरक्षित ऑफ-रैंप न होने के कारण यह दावा कि यह जल्द खत्म होगा पूरी तरह खोखला लगता है। संघर्ष का प्रभाव अब खेलों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों तक पहुँच गया है–भारतीय महिला फुटबॉल टीम के वीजा अटक गए, जबकि वेस्ट इंडीज के क्रिकेटर हफ्तों तक फंसे रहे, कुछ खिलाड़ी कमर्शियल फ्लाइट्स से 9-10 दिन बाद घर लौट पाए, जिससे खेल जगत गहरे संकट में है।

डिप्लोमेसी अब सबसे अहम जरूरत बन गई है। रूस और ईरान की बातचीत जारी है, जबकि चीन की चेतावनी स्पष्ट और सख्त है। ट्रंप बैकचैनल्स के माध्यम से शांति के संकेत दे रहे हैं, लेकिन सरेंडर या डाई अल्टीमेटम इसे रोक रहा है। ईरान न्यूक्लियर रिफाइनमेंट तेज कर सकता है, जो वैश्विक स्तर पर बड़ा खतरा पैदा करता है। अब दुनिया के नेताओं को तुरंत मध्यस्थता करनी होगी, वरना ह्यूमैनिटेरियन क्राइसिस और गहरा जाएगा। यह अल्टीमेटम इतिहास में दर्ज होगा–या तो अमेरिकी विजय के रूप में, या गंभीर भूल के रूप में।

सहज योग साधकों को निःशुल्क सही आध्यात्मिक मार्गदर्शन देता है

आज के समय में आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अनेक प्रकार के विचार, पद्धतियाँ और मार्ग देखने को मिलते हैं। कई बार साधक सच्ची खोज में होते हुए भी अलग-अलग बातों से भ्रमित हो सकते हैं। ऐसे समय में सही दिशा और सच्चे मार्गदर्शन का होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यही कारण है कि सहज योग साधकों को स्पष्ट और अनुभव आधारित मार्ग प्रदान करता है।

परम पूज्य श्री माता जी निर्मला देवी ने सहज योग के माध्यम से मनुष्य को यह सिखाया कि सच्ची आध्यात्मिकता बाहरी आडंबर या जटिल साधनाओं में नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित आत्मा के अनुभव में है। जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, तब उसके भीतर एक सूक्ष्म जागरूकता विकसित होती है जो उसे सही और गलत का बोध कराती है।

सहज योग का सबसे महत्वपूर्ण आधार कुण्डलिनी जागरण है। जब यह दिव्य शक्ति जागृत होती है, तब साधक अपने भीतर की शांति और सत्य का अनुभव करता है। यह अनुभव ही उसका वास्तविक मार्गदर्शक बन जाता है। इसके माध्यम से साधक बिना किसी भ्रम या भटकाव के सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है।

सही मार्गदर्शन का अर्थ केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अपने जीवन में संतुलन, विनम्रता और शुद्धता को विकसित करना भी है। सहज योग साधकों को सिखाता है कि ध्यान, आत्मनिरीक्षण और सामूहिकता के माध्यम से वे अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें सुधार सकते हैं। इससे व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास निरंतर होता रहता है।

आज जब संसार में अनेक प्रकार की सूचनाएँ और विचार तेजी से फैल रहे हैं, तब साधकों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे अपने अनुभव और विवेक के आधार पर सत्य को पहचानें। सहज योग की यह विशेषता है कि यहाँ साधक स्वयं अपने भीतर ईश्वरीय चेतना का अनुभव करता है और उसी के आधार पर अपने जीवन का मार्ग निर्धारित कर सकता है।

अतः यह कहा जा सकता है कि सहज योग साधकों को सही मार्गदर्शन देता है। यह मार्गदर्शन उन्हें किसी भी प्रकार के भ्रम या भटकाव से बचाकर सत्य, संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर स्थिर रखता है। इसी के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को अधिक शांत, संतुलित और सार्थक बना सकता है।

अमेरिका-इज़रायल-ईरान युद्ध, मुज्तबा ख़ामेनेई के नेतृत्व के भविष्य की अग्निपरीक्षा

मध्य-पूर्व की राजनीति एक बार फिर बारूद के ढेर पर बैठी दिखाई दे रही है। वर्षों से सुलग रही अमेरिका-इज़रायल और ईरान की प्रतिद्वंद्विता अब खुलकर युद्ध में बदल चुकी है। यह केवल तीन देशों के बीच संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा राजनीति और धार्मिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण का ऐसा जटिल समीकरण है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। इस युद्ध का सबसे नाटकीय और निर्णायक मोड़ यह रहा जब ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खेमनई की हत्या कर दी गई और उसके बाद ईरान ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में मुज्तबा खेमनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया। यह घटना केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति को हिला देने वाली घटना थी। एक तरफ अमेरिका और इज़रायल इस युद्ध को ईरान की सैन्य और परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने की कार्रवाई बता रहे हैं, वहीं ईरान इसे अपनी संप्रभुता और इस्लामी व्यवस्था पर हमला मान रहा है।

ईरान और इज़रायल के बीच तनाव पिछले कई दशकों से बना हुआ है। ईरान खुले तौर पर इज़रायल की नीतियों का विरोध करता रहा है और फिलिस्तीन के मुद्दे पर उसका रुख बेहद आक्रामक रहा है। दूसरी ओर इज़रायल को यह भय लंबे समय से लगता रहा है कि यदि ईरान परमाणु शक्ति बन गया तो वह उसके अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

अमेरिका भी लंबे समय से ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध और कूटअमेरिका-इज़रायल-ईरान युद्ध, मुज्तबा ख़ामेनेई के नेतृत्व के भविष्य की अग्निपरीक्षा।नीतिक दबाव डालता रहा है। विशेष रूप से जब से डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राजनीति में प्रभावी हुए, ईरान के प्रति अमेरिकी नीति और कठोर हो गई। ट्रंप प्रशासन ने पहले भी ईरान के परमाणु समझौते को समाप्त किया और अब युद्ध की स्थिति में भी उन्होंने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है।इज़रायल की सुरक्षा चिंताओं और अमेरिका की रणनीतिक नीति के मेल ने इस संघर्ष को और तीखा बना दिया। कई सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि इज़रायल लंबे समय से ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के लिए किसी बड़े अभियान की तलाश में था और अब उसे अमेरिका का खुला समर्थन मिल गया है।

वैसे वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा है की ईरान की राजनीति में सर्वोच्च नेता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह केवल धार्मिक प्रमुख ही नहीं बल्कि देश की सैन्य और रणनीतिक नीतियों का अंतिम निर्णयकर्ता भी होता है। ऐसे में जब अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई की हत्या हुई तो यह ईरान के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका था।

लेकिन सत्ता संरचना ने तेजी से निर्णय लेते हुए उनके पुत्र मुज्तबा ख़ामेनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया। मुज्तबा पहले से ही सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली माने जाते थे। वे ईरान की धार्मिक व्यवस्था, सुरक्षा तंत्र और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड से गहरे जुड़े रहे हैं। उनके सत्ता संभालते ही ईरान के तेवर और भी सख्त हो गए। ईरान ने स्पष्ट संकेत दिया कि वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा। मिसाइल हमले, ड्रोन अभियान और क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई तेज कर दी गई।

इस संघर्ष की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र में फैलता दिखाई दे रहा है। खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे लगातार खतरे में हैं। ईरान ने अपने समर्थक संगठनों और मित्र देशों के माध्यम से कई अमेरिकी और पश्चिमी ठिकानों पर हमले किए हैं।मध्य-पूर्व के कई देश इस युद्ध से सीधे या परोक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। तेल के समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ गया है और वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता देखी जा रही है। यदि यह युद्ध लंबा चला तो विश्व अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संघर्ष को लेकर बेहद कठोर बयान दिए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि यदि ईरान ने अपनी सैन्य नीति नहीं बदली तो उसके नए नेता को भी निशाना बनाया जा सकता है।

ऐसे बयान युद्ध को और अधिक खतरनाक बना देते हैं, क्योंकि जब किसी देश के सर्वोच्च नेता को खुले तौर पर लक्ष्य घोषित किया जाता है तो कूटनीति के रास्ते लगभग बंद हो जाते हैं। इससे संघर्ष और भी उग्र हो सकता है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुज्तबा ख़ामेनेई का राजनीतिक भविष्य क्या होगा। उनका भविष्य कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करेगा।

पहला, ईरान की आंतरिक राजनीति। यदि देश के भीतर धार्मिक नेतृत्व, सैन्य प्रतिष्ठान और जनता का समर्थन उन्हें मिलता रहता है तो वे लंबे समय तक सत्ता में बने रह सकते हैं।

दूसरा, युद्ध का परिणाम ,यदि ईरान इस युद्ध में मजबूत प्रतिरोध दिखाता है तो मुज्तबा ख़ामेनेई एक शक्तिशाली युद्धकालीन नेता के रूप में उभर सकते हैं। इससे उनकी वैधता और प्रभाव बढ़ेगा।उन पर अंतरराष्ट्रीय दबाव उत्तरोत्तर वृद्धि कर सकता है। यदि अमेरिका और उसके सहयोगी ईरान पर सैन्य और आर्थिक दबाव को लगातार बढ़ाते हैं तो यह ईरानी शासन के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।इस युद्ध का असर केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। रूस, चीन और यूरोपीय देशों की प्रतिक्रियाएँ भी इस संघर्ष की दिशा तय कर सकती हैं। यदि बड़ी शक्तियाँ अलग-अलग पक्षों में खुलकर उतर आती हैं तो यह संघर्ष एक बड़े वैश्विक टकराव का रूप ले सकता है।

इसके अलावा तेल की कीमतों में उछाल, व्यापार मार्गों पर खतरा और वैश्विक सुरक्षा चिंताएँ भी बढ़ सकती हैं। दुनिया पहले ही कई आर्थिक और राजनीतिक संकटों से जूझ रही है, ऐसे में यह युद्ध वैश्विक अस्थिरता को और बढ़ा सकता है।

अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच चल रहा यह संघर्ष केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि शक्ति, विचारधारा और भू-राजनीतिक हितों की टकराहट है। अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई की हत्या ने इस संघर्ष को और अधिक उग्र बना दिया है, जबकि मुज्तबा ख़ामेनेई का उदय ईरान की नई राजनीतिक दिशा का संकेत देता है।

अब पूरी दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि यह युद्ध किस दिशा में जाएगा। क्या यह कूटनीति के जरिए थमेगा या फिर एक व्यापक क्षेत्रीय अथवा वैश्विक युद्ध का रूप ले लेगा?

इतना निश्चित है कि मुज्तबा ख़ामेनेई का नेतृत्व इस समय एक कठिन अग्निपरीक्षा से गुजर रहा है। आने वाले समय में वही तय करेगा कि वे ईरान के इतिहास में एक मजबूत और निर्णायक नेता के रूप में याद किए जाएंगे या फिर विश्व राजनीति की उथल-पुथल में उनका अध्याय भी एक अस्थिर दौर की कहानी बनकर रह जाएगा।

-संजीव ठाकुर

रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने समझदार उपभोक्ताओं के लिए एक नया, अभिनव लुक पेश किया

'ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस' की खास पहचान के साथ अब पहले से ज्यादा ऊंचे और आकर्षक, बेमिसाल डिजाइन में पेश की गई नई रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की मध्य प्रदेश, 09 मार्च 2026– पर्नोड रिकार्ड इंडिया की रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की ने अपनी नई और अलग पहचान पेश की है, जो समझदारी से चयन करने की उसकी फिलॉसफी को और मजबूत करती है। यह नया लुक एक आकर्षक और ऊंचे डिजाइन के साथ पेश किया गया है, जो उन लोगों के लिए है जो चयन की शक्ति और उत्कृष्ट शिल्प की कद्र करते हैं। नए लुक में अब पहले से ज्यादा ऊंची और आकर्षक बोतल है, जो बेहद एलिगेंट दिखाई देती है। इसके साथ प्रीमियम क्लियर-ऑन-क्लियर लेबल दिया गया है, जो इस श्रेणी में पहली बार पेश किया गया है। इस उत्पाद को मास्टर ब्लेंडर केविन बाल्मफोर्थ का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी प्रामाणिकता और विशेषज्ञता को दर्शाता है। रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की की हर बोतल 'ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस' के भरोसे के साथ तैयार की जाती है। इसमें तीन बेहतरीन विशेषताएं शामिल हैं– सिलेक्ट इंडियन ग्रेन स्पिरिट्स, सिलेक्ट स्कॉच माल्ट्स और सिलेक्ट अमेरिकन ओक बैरल में परिपक्व किया गया मिश्रण। इसका परिणाम एक ऐसा बेहतरीन ब्लेंड है, जो उच्चतम स्तर की कारीगरी और गुणवत्ता को दर्शाता है। यह ब्रांड की उस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिसके तहत चुनिंदा और समझदार उपभोक्ताओं के लिए असाधारण स्वाद तैयार किया जाता है। यह बदलाव ब्रांड की लंबे समय से चली आ रही फिलॉसफी क्राफ्टेड फॉर द सिलेक्ट फ्यू के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो सफलता की अपनी यात्रा में हमेशा सोच-समझकर और समझदारी से फैसले लेते हैं, बेहतर गुणवत्ता और विशिष्टता की ओर बढ़ते हैं और सामान्यता को छोड़कर वही चुनते हैं जो उनके मूल्यों और आकांक्षाओं को सही मायनों में दर्शाता है।

नए लुक के बारे में बताते हुए पर्नोड रिकार्ड इंडिया के जीएम-मार्केटिंग जॉयदीप बसुरॉय ने कहा, रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की का यह नया और अलग डिजाइन उस हर बात को दर्शाता है जिसके लिए यह ब्रांड जाना जाता है– समझदारी से चयन, प्रामाणिकता और प्रगतिशील सोच। ट्रिपल सिलेक्ट प्रॉमिस के साथ हम हर स्तर पर उत्कृष्ट शिल्पकला और अलग पहचान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से मजबूत करते हैं–चाहे वह बेहतरीन ब्लेंड हो या नया और अभिनव डिजाइन। यह उन लोगों के लिए एक सम्मान है जो सोच-समझकर चुनाव करते हैं और अलग पहचान बनाने की कोशिश करते हैं।

नए डिजाइन के साथ पेश की गई रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट व्हिस्की उपभोक्ताओं को एक बेहतर अनुभव देने के लिए तैयार है, जो उनके परिष्कृत स्वाद और बढ़ती आकांक्षाओं के अनुरूप है।

सुहाने सपने दिखाते सिविल सेवक

संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी की परीक्षा को देश ही नहीं, दुनिया की कठिनतम परीक्षाओं में से एक माना जाता है। इसी कारण इस परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों के नाम सबका ध्यान खींचते हैं। सफल अभ्यर्थी और विशेष रूप से शीर्ष स्थान अर्जित करने वाले अपने माता-पिता और शिक्षण संस्थान का नाम रोशन करते हैं। जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं, उनकी सफलता पूरे समुदाय में गर्व का भाव जगाती है। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि भारतीय समाज में आइएएस और विशेष रूप से कलेक्टर यानी डीएम बनना प्रतिष्ठा का परिचायक रहा है। यूपीएससी यानी सिविल सेवा परीक्षा पास करना प्रतिष्ठा का कितना बड़ा विषय है, इसे इससे समझा जा सकता है कि कई जगह सफल अभ्यर्थियों का गाजे-बाजे के साथ स्वागत-सत्कार होता है।

बीते दिनों यूपीएससी परीक्षा में सफल रहे कई अभ्यर्थियों का उनके गांव-घर में कुछ उसी भव्य तरीके से स्वागत किया गया, जैसे किसी नवनिर्वाचित नेता के चुनाव जीत लेने पर होता है। एक अभ्यर्थी ने अपने स्वागत के समय कार में सवार होकर जनता का अभिवादन किया और लोगों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं। एक के स्वागत में लोग संगीत की धुन पर नाचते और अभ्यर्थी को नोटों की माला पहनाते दिखे। एक अन्य के काफिले में लैंड रोवर, डिफेंडर जैसी लक्जरी गाड़ियां नजर आईं। कुछ पुराने सिविल सेवकों ने सफल अभ्यर्थियों के नेताओं सरीखे ऐसे भव्य स्वागत पर असहमति और अप्रसन्नता प्रकट की। कुछ ने उन्हें नसीहत दी कि यूपीएससी परीक्षा पास करना मात्र कोई इतनी बड़ी उपलब्धि नहीं कि उनका ढोल बजाकर स्वागत किया जाए। इस असहमति का कुछ मूल्य-महत्व हो सकता है, लेकिन क्या कोई उस पर ध्यान देगा?

आने वाले दिनों में यूपीएससी में सफल अभ्यर्थियों के ऐसे साक्षात्कार पढ़ने-सुनने को मिल सकते हैं, जिनमें वे बताएंगे कि कैसे देश और समाज सेवा के जज्बे ने उन्हें सिविल सेवक बनने को प्रेरित किया।

लगभग हर सफल अभ्यर्थी का स्वर यही होता है कि वह समाज के लिए कुछ करना चाहता था और इसका सबसे उत्तम उपाय सिविल सेवा में जाना था। इसमें संदेह नहीं कि आइएएस, आइपीएस जैसे पद सबसे सामर्थ्यवान हैं। इन पर आसीन होने वाले अपने विभाग या क्षेत्र की तस्वीर और लोगों का भाग्य बदल सकने में समर्थ होते हैं, पर क्या औसत सिविल सेवक ऐसा कर पा रहे हैं? यह वह प्रश्न है, जिस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

सिविल सेवकों को प्रशासनिक सेवा की रीढ़ माना जाता है। प्रशासन में उनके योगदान को रेखांकित करने के लिए प्रति वर्ष 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, क्योंकि 1947 में इसी तिथि को सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम बैच के अधिकारियों को संबोधित किया था। इसी संबोधन में उन्होंने सिविल सेवकों को इस्पाती ढांचे की संज्ञा दी थी, पर पिछले काफी समय से यह स्वर उभर रहा है कि इस इस्पाती ढांचे को जंग लग चुकी है। इसी के साथ सिविल सेवकों की कार्यप्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता भी जताई जा रही है। कहना कठिन है कि इस आवश्यकता की पूर्ति होगी या नहीं, क्योंकि मनमोहन सरकार के समय जिस प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था, उसकी सिफारिशों पर आज तक अमल नहीं हुआ। यह अमल मोदी सरकार की ओर से बार-बार यह कहते रहने के बाद भी नहीं हुआ कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति अपनाई गई है। इस कथित जीरो टालरेंस नीति के बावजूद नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

नौकरशाहों के साथ नेताओं के भ्रष्टाचार के मामले सामने आते ही रहते हैं। आम तौर पर नेता तभी भ्रष्टाचार करने में समर्थ होते हैं, जब उन्हें भ्रष्ट नौकरशाहों का साथ मिलता है। अपने देश में भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई मुश्किल से हो पाती है। कई बार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप से घिरे नेताओं को तो राजनीतिक तौर पर नुकसान उठाना पड़ता है, लेकिन ऐसे ही आरोपों से दो-चार नौकरशाहों का मुश्किल से ही कुछ बिगड़ पाता है। एक तो उनके भ्रष्ट आचरण के खिलाफ जांच बहुत मुश्किल से हो पाती है और दूसरे, जांच में कठिनाई से ही दूध का दूध और पानी का पानी हो पाता है। ऐसे सिविल सेवकों की गिनती करना कठिन है, जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास करते समय समाज सेवा करने की बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन बाद में वे भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए।

विडंबना यह कि इनमें से कुछ वे भी रहे, जो अपने बैच के टापर थे या फिर जिनकी ख्याति इसलिए हुई थी कि उन्होंने पहले ही प्रयास में प्रथम 10 या 20 सफल अभ्यर्थियों में स्थान हासिल किया था अथवा सबसे कम उम्र के सफल अभ्यर्थी बने थे। निःसंदेह ईमानदार और कर्मठ सिविल सेवकों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि वही प्रशासन की इज्जत बचाए हुए हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि भ्रष्ट सिविल सेवक निष्ठावान सिविल सेवकों की बदनामी का कारण बनते हैं। इसलिए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि भ्रष्ट सिविल सेवकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और अपना काम सही से करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। महिमामंडन भी उन्हीं का होना चाहिए, न कि केवल सुहाने सपने दिखाने वालों का।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

सफलता को व्यापक स्वरूप देने का समय

खेल से जुड़े उतार-चढ़ाव भी इस पूरे टूर्नामेंट में दिखाई दिए। संजू सैमसन, जो मूल टीम का हिस्सा भी नहीं थे, 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बनकर उभरे। अभिषेक शर्मा, जो हमारे प्रमुख बल्लेबाज के रूप में टूर्नामेंट में गए थे, शुरुआती खराब फार्म के दौर से गुजरे। जब उनकी जगह पर सवाल उठने लगे, तब उन्होंने फाइनल में एक शानदार पारी खेली। इशान किशन ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और व्यक्तिगत दुख के बावजूद फाइनल में हमारे सलामी बल्लेबाजों द्वारा प्रदान की गई लय को आगे बढ़ाया।

भारत में आज क्रिकेट लेखक एक सुखद दुविधा से गुजर रहे हैं। जैसे-जैसे हमारे क्रिकेटर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, लेखकों को उनकी जीत और इस ऐतिहासिक निरंतरता के गुणगान के लिए शब्दकोशों में नए विशेषणों, ताजा अभिव्यक्तियों और सटीक मुहावरों की तलाश करनी पड़ रही है। पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की भारतीय टीम ने आकाशीय ऊंचाइयों को छुआ है। 2023 के वनडे विश्व कप फाइनल की हृदयविदारक हार के बाद से हमारी सफलता का ग्राफ निरंतर ऊपर ही रहा है। हमने 2024 का टी-20 विश्व कप जीता, मार्च 2025 में चैंपियंस ट्राफी, अक्टूबर 2025 में एशिया कप और अब सफलतापूर्वक अपने टी-20 खिताब का बचाव किया है। इस हालिया जीत से कई उपलब्धियां पहली बार हासिल हुईं।

भारत ने रिकार्ड तीसरा टी-20 विश्व कप खिताब जीता और हम खिताब का बचाव करने वाली और पहली विजेता मेजबान टीम बने। पिछले पांच बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में से हमने चार जीते और उनमें हमारा जीत-हार का रिकार्ड 37-2 रहा है। यह वास्तव में भारतीय टीम की निरंतरता और प्रभुत्व का ठोस प्रमाण है। हर सफलता कुछ शौर्यगाथाओं को जन्म देती है। सुखद यह है कि इस विजयगाथा में योगदान देने वाले इतने अधिक खिलाड़ी हैं कि सभी को याद रखना या कुछ ही लोगों की प्रशंसा करना कठिन हो जाता है। यह एक बेहतरीन स्थिति है। आखिरकार क्रिकेट एक टीम खेल ही है, जहां व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की सफलता मायने रखती है-वह दर्शन जिस पर जोर देने का कोई अवसर कोच गंभीर कभी नहीं छोड़ते।

हमारी यह जीत कप्तान के महत्वपूर्ण योगदान के बिना भी (सिवाय अमेरिका के विरुद्ध पहले मैच में) संभव हो सकी। इसमें जहां तिलक वर्मा और पांड्या ने कुछ अवसरों पर स्थिति को संभाला, वहीं शिवम दुबे ने एक फिनिशर के रूप में अपने प्रदर्शन से निरंतरता की छाप छोड़ी। बुमराह बेशक एक अभूतपूर्व खिलाड़ी बने हुए हैं। वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 'आल फार्मेट' गेंदबाज हैं। भारत के लिए सौभाग्य की बात है कि दुनिया भर के बल्लेबाज अब तक उनकी काट नहीं ढूंढ़ पाए हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने गेंद के साथ-साथ मैदान पर अपनी सूझबूझ और फुर्ती से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रशंसा के लिए लगभग पूरी टीम का उल्लेख आवश्यक है। यह हमारी सामूहिक शक्ति और खेल में गहरी पैठ का प्रमाण है। यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ी निरंतर कड़ी मेहनत और प्रदर्शन के प्रति सचेत रहें।

यहां पुरानी उपलब्धियों पर सुकून से बैठने का समय नहीं मिलता, क्योंकि प्रतिभाशाली युवाओं की एक लंबी कतार हमेशा जगह लेने के लिए तैयार रहती है। इससे असुरक्षा या दबाव पैदा हो सकता है, लेकिन यही भाव क्रिकेटरों को शिथिलता से परहेज करने के लिए प्रेरित करता है, जो लंबे करियर के लिए एक आवश्यक तत्व है।

जीत जश्न मनाने का अवसर है, लेकिन निरंतरता के लिए आत्मनिरीक्षण भी जरूरी है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमने विशेष सफलता हासिल की है, लेकिन खेल के मूल यानी टेस्ट प्रारूप का क्या? 2025 के इंग्लैंड के दौरे को छोड़ दें, तो पिछले डेढ़ साल में टेस्ट प्रारूप में हमारा प्रदर्शन औसत से नीचे रहा है। हम आस्ट्रेलिया में हारे और घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सूपड़ा साफ होने की जिल्लत झेलनी पड़ी। वह शायद भारतीय टेस्ट टीम के लिए सबसे निचला स्तर था।

अतीत की महान टीमें चाहे वह सत्तर और अस्सी के दशक की वेस्टइंडीज हो या 2000 के दशक की आस्ट्रेलिया-हर परिस्थिति में सभी प्रारूपों पर राज करती थीं। यह प्रशासकों के सोचने का विषय है कि जहां आइपीएल सीमित ओवरों की प्रतिभा निखारने का बेहतरीन माध्यम है, वहीं पांच दिवसीय क्रिकेट में इसे दोहराने के लिए हमें घरेलू क्रिकेट-वही पुराने रणजी ट्राफी, दलीप ट्राफी और ईरानी कप-पर अधिक ध्यान देना होगा। हमारी बल्लेबाजी में तो गहराई है, पर गेंदबाजी को और पैना करने की जरूरत है। हम बुमराह पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं और अश्विन की विदाई ने एक ऐसी रिक्तता पैदा की है, जिसे भरना कठिन है।

22 गज की पट्टी से परे देखें तो एक खेल राष्ट्र के रूप में भारत का उदय अभी अधूरा है। जनसंख्या और अर्थव्यवस्था को देखते हुए हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमताओं से काफी कम प्रदर्शन कर रहे हैं। एक ही खेल में उत्कृष्टता-जहां हम सबसे बड़ी वित्तीय शक्ति हैं-और कुछ अन्य खेलों में छिटपुट सफलता समग्र निराशाजनक परिणाम की भरपाई नहीं कर सकती। एक व्यापक रणनीतिक योजना आवश्यक है, ताकि समय के साथ प्रभावी प्रगति और निरंतर सफलता सुनिश्चित हो सके। हमारी जनसांख्यिकी में आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) की जो कमी हो सकती है, उसे प्रशिक्षण, अनुकूलन और पोषण के माध्यम से दूर करना होगा।

बदलाव आने में पीढ़ियां लगती हैं और निरंतर ठोस प्रयासों का कोई विकल्प नहीं होता। कहते हैं कि 'हजार मील की यात्रा एक छोटे कदम से शुरू होती है।' लेकिन इससे पहले कि हम इस यात्रा पर निकलें, एक खेल संस्कृति विकसित करना आवश्यक है। एक समाज का खेलों के प्रति केवल 'उपयोगितावादी' दृष्टिकोण नहीं हो सकता। हर कोई पेशेवर खिलाड़ी नहीं बनेगा, न ही हर व्यक्ति खेल में श्रेष्ठता के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश या रोजगार नियुक्ति सुनिश्चित कर पाएगा। फिर भी, केवल खेलने के आनंद के लिए खेलना और खेल के आंतरिक लाभों को आत्मसात करना आवश्यक है। जैसा कि कहा गया है, 'आपके पास जो भी प्रतिभा है, उसका उपयोग करें। याद रहे कि जंगल खामोश हो जाएंगे यदि केवल वही पक्षी गाएंगे, जो सबसे अच्छा गाते हैं।

-धनंजय राजौरा

कालूखेड़ी शराब दुकान का बड़ा खेल?

ओवररेटिंग की जांच में खुला राज- बैच नंबर का मिलान नहीं, जब्त शराब ही हो गई गायब

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि जिले की कालूखेड़ी कम्पोजिट शराब दुकान एक बार फिर गंभीर अनियमितताओं को लेकर चर्चा में आ गई है। ओवररेटिंग की शिकायतों के बाद हुई संभागीय उड़नदस्ता जांच में न सिर्फ तय कीमत से अधिक दर पर शराब बेचने का मामला सामने आया, बल्कि कई शराब स्कंधों के बैच नंबर का परमिट से मिलान नहीं होना भी पाया गया। हैरानी की बात यह है कि जांच के दौरान जब्त की गई शराब बाद में रहस्यमय तरीके से गायब हो गई, जिससे मामला अब सीधे गंभीर आबकारी उल्लंघन की श्रेणी में पहुंच गया है।

जानकारी के अनुसार 23 मई 2025 को उज्जैन संभाग के उड़नदस्ता दल ने कालूखेड़ी स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान पर छापामार कार्रवाई की थी। यह कार्रवाई लगातार मिल रही ओवररेटिंग की शिकायतों के बाद की गई थी। निरीक्षण के दौरान कई शराब स्कंधों के बैच नंबर परमिट से मेल नहीं खाते पाए गए, जो आबकारी नियमों के तहत गंभीर अनियमितता मानी जाती है।

उड़नदस्ता दल ने मौके पर पंचनामा बनाकर प्रकरण क्रमांक 3 दिनांक 23 मई 2025 दर्ज किया और जांच के दौरान जब्त की गई शराब को दुकान के स्वीकृत अभिकर्ता आकाश गुर्जर की सुपुर्दगी में दिया था।

इसके बाद आबकारी विभाग ने 30 अक्टूबर 2025 को लायसेंसी को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जब्त शराब आबकारी उपनिरीक्षक को सौंपने के निर्देश दिए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा के बावजूद शराब वापस जमा नहीं कराई गई।

हाल ही में जब आबकारी उपनिरीक्षक ने दुकान के स्टॉक का मिलान किया तो जब्त शराब का न तो रिकॉर्ड मिला और न ही कोई स्टॉक, जिससे पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। अब सवाल उठ रहा है कि विभाग की सुपुर्दगी में दी गई जब्त शराब आखिर कहां गायब हो गई?

इस मामले में सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने लायसेंसी को पत्र जारी कर जवाब देने और माल की सुपुर्दगी में दी गई शराब कहां गई और विभाग को क्यों नहीं सौंपी गई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

गौरतलब है कि इसी तरह का मामला पूर्व में बावड़िया स्थित शराब दुकान पर भी सामने आ चुका है, जहां जांच के दौरान दूसरे जिले (इंदौर)की शराब पाई जाना और स्टॉक रिकॉर्ड में गड़बड़ी पाई गई थी। ऐसे मामलों के सामने आने से आबकारी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। यहां पर भी कार्रवाई होना अभी बाकी है ?

सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने बताया कि यदि तीन दिन के भीतर जब्त शराब विभाग को वापस नहीं सौंपी जाती है तो प्रतिवेदन तैयार कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

अब इस पूरे मामले ने कालूखेड़ी शराब दुकान के संचालन और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में आगे किन-किन लोगों की भूमिका सामने आती है।

कांटाफोड़ की भांजी ने रचा इतिहास, आरुषि बाहेती बनीं भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांटाफोड़ के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है। नगर की भांजी एवं माहेश्वरी समाज की होनहार बेटी आरुषि बाहेती, निवासी बाग (जिला धार) ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का प्रतिष्ठित पद प्राप्त कर परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से कांटाफोड़ सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

बताया जा रहा है कि आरुषि बाहेती माहेश्वरी समाज की देश की पहली बेटी हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्राप्त कर समाज के इतिहास में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उनकी यह सफलता समाज की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

आरुषि के पिता दिलीप बाहेती एवं माता प्रियंका बाहेती ने पुत्री की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आरुषि ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और देशसेवा की भावना के साथ यह मुकाम हासिल किया है।

वहीं मामा शलभ गौरानी (कांटाफोड़) ने कहा कि यह उपलब्धि केवल परिवार के लिए ही नहीं बल्कि कांटाफोड़ नगर, बाग नगर और पूरे माहेश्वरी समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि आरुषि ने यह सिद्ध कर दिया है कि बेटियां भी हर क्षेत्र में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन कर सकती हैं। आरुषि बाहेती की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर माहेश्वरी समाज, नगर के गणमान्य नागरिकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

औदीच्य ब्राह्मण समाज की महिला शाखा ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय औदीच्य ब्राह्मण समाज धर्मशाला परिसर में समाज की महिला शाखा के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में समाज की महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला शाखा की अध्यक्ष मालती त्रिवेदी ने की। कार्यक्रम के अंतर्गत फाग उत्सव की विशेष धूम रही। समाज के लोगों ने सुमधुर भजन और होली के पारंपरिक गीत गाए, जिस पर मौजूद लोग झूम उठे। वहीं, छोटे बच्चों ने अपनी आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के पश्चात समाज के सभी लोगों ने सप्रेम ठंडाई का आनंद लिया और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। इस गरिमामयी आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का गौरव बढ़ाया। इनमें प्रमुख रूप से सुभाष द्विवेदी, विजय आचार्य, हरिनारायण शर्मा, गोविंद भट्ट, महेश त्रिवेदी, विजय ठाकुर, आशुतोष शर्मा और सनी आचार्य शामिल रहे। युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए समाज के युवा अध्यक्ष अरुण शर्मा के साथ नवयुवक मंडल के समस्त सदस्य कार्यक्रम में सक्रिय रहे। समारोह में महिला शाखा की पूरी टीम के साथ वरिष्ठ महिलाओं की उपस्थिति भी विशेष रही। इनमें विजया शर्मा, तिलोत्तमा शर्मा, रमा त्रिवेदी, राजमणि त्रिवेदी, संध्या त्रिवेदी, अर्चना त्रिवेदी, गीता ठाकुर और रमा शर्मा आदि ने कार्यक्रम में शामिल होकर समाज की एकता और संस्कृति का संदेश दिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक, दिए दिशा निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने निगम स्वास्थ्य विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन की टीम के साथ विभाग प्रमुख एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की। आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त के द्वारा वार्डो में औचक निरीक्षक किया जा रहा है। जिन वार्डो मे साफ सफाई के कार्यो मे कमी पाई गई तथा त्वरित निराकरण को लेकर बैठक में स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को दिशा निर्देश दिये साथ ही स्वच्छता गाईड लाईन के अनुसार किये जाने वाले स्वच्छता के कार्यो के लिए एवं सफाई मित्रों को सफाई कार्यो के लिए दी जाने वाली सामग्री उपलब्ध कराये जाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को निर्देशित करते हुए प्रतिदिन प्रथम, द्वितीय एवं रात्रीकालीन की जाने वाले सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, कचरा संग्रहण वाहन में गीला एवं सुखा कचरा प्रथक्कीकरण की मानिटरिंग करने एवं व्यवसायकों ने व्यवसाईक क्षेत्रों में नियत स्थान पर रखी डस्टबीनों की चेक करने हेतु कहा। वहीं रिम्वूहल गैंग को अमानक पॉलिथिन प्रतिष्ठानों एवं पथकर विक्रताओं के पास पाये जाने पर चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

परिवहन विभाग की सख्ती 12 वाहनों पर पीयूसी एवं परमिट शर्तों के उल्लंघन पर 66 हजार 500 का जुर्माना लगाया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार जांच अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान द्वारा दल के साथ देवास में यात्री बसों की विशेष जाँच की गई, जिसमें विशेष रूप से बिना पीयूसी प्रमाण-पत्र के संचालित होने वाली वाहनों पर कार्यवाही कर जुर्माना लगाया गया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि कार्यवाही में लगभग 58 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 09 वाहनों का पीयूसी नहीं पाए जाने पर चालानी कार्यवाही करते हुए 45 हजार का जुर्माना अधिरोपित किया गया। साथ ही परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से भी जुर्माना वसूल किया गया। कार्यवाही में कुल 12 वाहनों पर 66 हजार 500 रूपये का जुर्माना लगाया गया।

जॉच अभियान में निर्धारित दस्तावेजों जैसे परमिट, फिटनेस, पीयूसी, बीमा, लायसेंस की जॉच करते हुए आवश्यक निर्धारित मापदण्ड अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन द्वार, गति नियंत्रक यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स आदि की जांच भी की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने समस्त वाहन चालकों को निर्देशित किया कि वे अपनी बसों का संचालन मार्ग पर नियंत्रित गति से करें, सवारी बैठाने की होड़ में किसी भी दशा में मार्ग पर रेसिंग नहीं करें। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन एवं वाहन चालकों पर नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

स्वनिधि योजना के पात्र छोटे व्यवसायियों को बड़ी राहतः देवास में महापौर ने दिया पहला क्रेडिट कार्ड

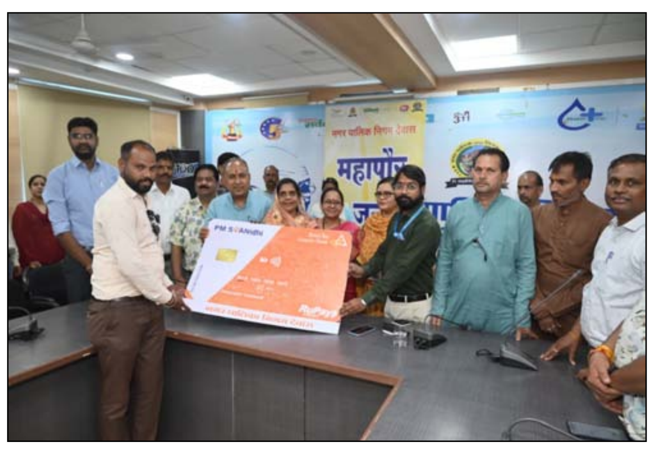

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम बैठक हाल में प्रति बुधवार को होने वाली महापौर जनसुनवाई के अन्तर्गत 10 मार्च को आहूत जनसुनवई में नागरिकों के द्वारा निगम संबंधि समस्याओं को लेकर आवेदन महापौर को दिये जिसमें 2 आवेदन का जनसुनवाई मे त्वरित निराकरण हेतु कहा तथा शेष 5 आवेदन निराकरण संबंधित विभागों मे भेजे गये। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत छोटे व्यवसायियों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इसी अन्तर्गत महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने योजना के तहत पहला क्रेडिट कार्ड हितग्राही प्रदीप परमार को केनरा बैंक के माध्यम से प्रदान किया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत वे पथ विक्रेता और छोटे व्यवसायी क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र हैं, जिन्होंने पहले चरण में प्राप्त 20 हजार रुपए का ऋण पूर्ण रूप से चुका दिया है या जिन्हें 50 हजार रुपए तक का ऋण मिल चुका है। ऐसे पात्र हितग्राहियों को अब क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपनी जरूरत के अनुसार आसानी से लेनदेन कर सकेंगे और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकेंगे।

क्रेडिट कार्ड के माध्यम से हितग्राही को प्रारंभिक रूप से 10 हजार रुपए तक की क्रेडिट सुविधा प्राप्त होगी। यदि हितग्राही नियमित रूप से लेनदेन करते हैं और समय पर भुगतान करते हैं, तो यह सीमा बढ़ाकर 30 हजार रुपए तक की जा सकती है। इस सुविधा से छोटे व्यापारियों को अचानक आने वाली आर्थिक जरूरतों के समय तत्काल सहायता मिल सकेगी और उन्हें अन्य विकल्पों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा।

अत्यंत उपयोगी योजना- इस अवसर पर महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल ने कहा, कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना देश के छोटे व्यापारियों, ठेला-गुमटी संचालकों और पथ विक्रेताओं के लिए अत्यंत उपयोगी योजना है। उन्होंने कहा, कि छोटे व्यवसायी शहर की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है। क्रेडिट कार्ड सुविधा से पथ विक्रेताओं को कारोबार बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

महापौर ने सभी पात्र पथ विक्रेताओं से अपील की कि जिन्होंने 20 हजार रुपए का ऋण पूर्ण रूप से चुका दिया है, वे इस योजना का लाभ लेने के लिए आगे आएं और एमपी ऑनलाइन केंद्र के माध्यम से क्रेडिट कार्ड के लिए

आवेदन करें। उन्होंने कहा कि नगर निगम और बैंक मिलकर अधिक से अधिक हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

क्रेडिट कार्ड की योजना आर्थिक रूप से सहायक- विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल ने भी पथ विक्रेताओं से आग्रह किया है कि वे इस योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को मजबूत बनाएं और समय पर भुगतान कर आगे मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाएं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से देवास के सैकड़ों छोटे व्यवसायियों को पहले ही ऋण सुविधा का लाभ मिल चुका है और अब क्रेडिट कार्ड की नई सुविधा उनके लिए आर्थिक रूप से और अधिक सहायक साबित होगी। इस अवसर पर निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, उपायुक्त वित्त दिपक पटेल, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल, कैलाश दशोरे व आवेदक नागरिकगण उपस्थित रहे।

सुनेरा में गेहूं के खेत में रखे भूंसे में लगी आग, फायर ब्रिगेड की तत्परता से टला बड़ा हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम सुनेरा में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक गेहूं के खेत में रखे भूंसे में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि समय रहते डायल-112 और दमकल विभाग की सक्रियता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास की फसल राख होने से बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुनेरा के एक खेत में सुखला इकट्ठा करके रखा गया था, जिसमें अचानक आग भड़क उठी। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलने लगी। आग की लपटें और धुआं उठता देख ग्रामीणों में घबराहट फैल गई और उन्होंने तुरंत पुलिस सहायता नंबर डायल-112 पर घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचे टीम के आरक्षक अभिषेक गुप्ता और पायलट महेंद्र सिंह जादौन ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए त्वरित कार्रवाई की। आग तेजी से अन्य हिस्सों की ओर बढ़ रही थी, जिसे देखते हुए पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए फायर ब्रिगेड (दमकल विभाग) को सूचित किया। सूचना पर कुछ ही देर में दमकल वाहन मौके पर पहुंच गया। दमकलकर्मियों ने पुलिस और ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से नियंत्रण पा लिया। समय रहते आग बुझ जाने से आसपास के खेतों में खड़ी फसल को एक बड़े नुकसान से बचा लिया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, जिससे सभी ने राहत की सांस ली।

एनएसएस यूनिट एम्बेसडर रवि करेंगे अंतर्राष्ट्रीय सीमा अनुभव यात्रा

मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत तनोट माता मंदिर एवं लोंगेवाला पोस्ट राजस्थान का करेंगे भ्रमण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन की मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर के एनएसएस यूनिट एम्बेसडर रवि कुमार का चयन भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा अनुभव यात्रा के लिए हुआ है। शासन की इस गौरवशाली योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं के भीतर राष्ट्रभक्ति की अलख जगाना और उन्हें सीमा पर तैनात सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग व कठिन परिश्रम से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना है। इस छः दिवसीय यात्रा के दौरान रवि कुमार राजस्थान स्थित भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा, ऐतिहासिक तनोट माता मंदिर एवं लोंगेवाला पोस्ट का अनुभव भ्रमण करेंगे। रवि विकासखंड मोहन बड़ोदिया क्षेत्र से एनएसएस के माध्यम से इस योजना हेतु चयनित होने वाले पहले छात्र हैं। यात्रा पर रवाना करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस. के. तिवारी ने कहा कि मां तुझे प्रणाम योजना का मूल मंत्र युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव को सुदृढ़ करना है। वहीं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने बताया कि रवि कुमार का चयन उनकी निरंतर सेवा भावना और एनएसएस में सक्रिय भागीदारी का परिणाम है। योजनांतर्गत सीमा दर्शन का उद्देश्य केवल भ्रमण नहीं, बल्कि हमारे सैनिकों के अदम्य साहस, उनके त्याग और चौबीसों घंटे किए जाने वाले कठिन परिश्रम को प्रत्यक्ष रूप से समझना है। इस अवसर पर डॉ. वी. पी. मीणा, डॉ. मीनू गिड़वानी, डॉ. आर.सी चौहान, डॉ. दिनेश निंगवाल, डॉ. बी. के. सोलंकी, डॉ. बी. एल. मालवीय, डॉ. डी. आर. राठौर, डॉ. श्वेता चौहान, सीनियर हर्षिता पाटीदार, एनएसएस एसयूओ लक्ष्मी पुष्पद, कौशल्या, एसयूओ शिवम परिहार, आशीष परमार, रवि मालवीय आदि के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक तथा एनएसएस मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार चौरड़िया उपस्थित थे।

पालकी में सवार नगर भ्रमण पर निकले श्री आदिनाथ सरकार, जिनशासन के जयकारों से गूंजा शाजापुर

प्राचीन मंत्रों से हुआ अभिषेक, निराश्रितों की सेवा कर पेश की मिसाल, तपस्वियों का हुआ भव्य बहुमान

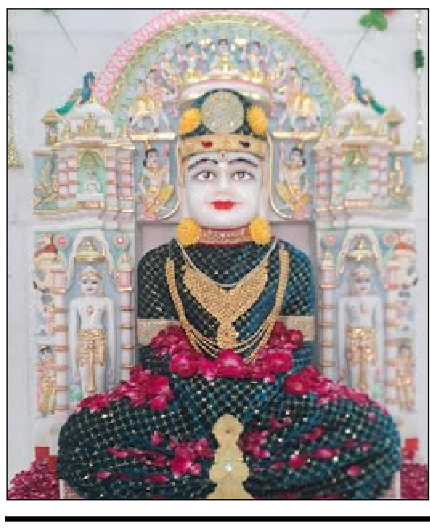

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भोर की पहली किरण के साथ ही जब जैन मंत्रों की पावन गूंज उठी और तीन लोक के नाथ श्री आदिनाथ परमात्मा भव्य पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा के बीच निकले, तो पूरा शाजापुर शहर मानो जिनशासन के रंग में रंग गया। हर आंख अपने आराध्य के दर्शन को आतुर थी और हर जुबान पर दादा आदिनाथ के जयकारे थे। अवसर था जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर दादा आदिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक महोत्सव का, जिसे बुधवार को पूरे शहर में अपार श्रद्धा, भक्ति और अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर युवक महासंघ के राष्ट्रव्यापी आह्वान और परम उपकारी आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय वीररत्न सुरीश्वरजी महाराजा की निश्रा में नगर के चौबीस जिनालय धाम (ओसवाल सेरी) और श्री सिद्धाचल वीरमणि महातीर्थ धाम (लालघाटी) पर दिनभर धार्मिक और सामाजिक आयोजनों का तांता लगा रहा।

अलौकिक मंत्रोच्चार और भव्य पालकी यात्रा- महोत्सव का सूर्योदय श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम पर जैन मंत्रास परिवार द्वारा सुबह 7.30 बजे किए गए प्राचीन मंत्रोच्चार के साथ हुआ। यहां दादा आदिनाथ का अलौकिक शक्रस्तव अभिषेक किया गया। वहीं, चौबीस जिनालय धाम में भगवान का पक्षाल और शांति स्नात्र पूजा भक्तिभाव से संपन्न हुई। ठीक 9 बजे चौबीस जिनालय से परमात्मा की शाही पालकी यात्रा गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई। यह यात्रा शहर के आजाद चौक, नई सड़क, पीपली गली और कसेरा बाजार से होते हुए गुजरी। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने प्रभु का स्वागत किया। ओसवाल सेरी में आरती का सौभाग्य पारस जैन (भरड़ वाला परिवार) तथा वीरमणि तीर्थ पर ऋषिकुमार व अजय जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

अनोखी छटा, नयनाभिराम श्रृंगार और दीप सज्जा- शाम ढलते ही लालघाटी स्थित श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम रोशनी से नहा उठा। शाम 7 बजे परमात्मा की प्रतिमा का ऐसा नयनाभिराम और आकर्षक श्रृंगार (अंगरचना) किया गया कि भक्त बस निहारते ही रह गए। मनमोहक दीप सज्जा के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक स्वर में भगवान की महाआरती कर धर्मलाभ लिया।

तपस्वी रत्नों का हुआ महा-सम्मान- जैन युवक महासंघ ने अपनी श्रेष्ठ परंपरा को निभाते हुए तपस्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। जिलाध्यक्ष मंगल नाहर के नेतृत्व में नगर के तपस्वी रत्नों का भव्य बहुमान किया गया। कठोर उपधान तप पूर्ण करने वाले बाल तपस्वी गुनित दुग्गड़ और श्री शत्रुंजय पालीताणा की सात यात्राएं करने वाले युवक महासंघ के जिला कोषाध्यक्ष प्रांजल मांडलिक को साफा पहनाकर, माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

धर्म के साथ कर्म, निराश्रितों को कराया भोजन

जैन समाज ने सिर्फ मंदिरों में ही नहीं, बल्कि सेवा के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जैन युवक महासंघ के सदस्यों ने नाग-नागिनी रोड स्थित अखंड आश्रम पहुंचकर निराश्रितजनों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया और इंसानियत की एक शानदार मिसाल पेश की। इस पूरे महा-आयोजन में समाज के सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

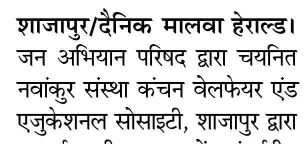

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जन अभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी, शाजापुर द्वारा आदर्श नवीन नगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और सशक्तिकरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में ज्योति फड़के इंदौर, यशोदा तथा संस्था की सचिव गायत्री वर्मा मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसमें संस्था के सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस मौके पर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी कूमट द्वारा उन्हेल क्षेत्र की पंचायतो का भ्रमण किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट द्वारा बुधवार को उन्हेल क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया गया। सीईओ श्री कूमट ने सर्वप्रथम पासलोद पंचायत के कलालखेड़ी गाँव में नलजल योजना का निरीक्षण कर एसडीओ पीएचई को लगातार निरिक्षण कर पेयजल गुणवत्ता की समय समय पर जाँच करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात पिपलिया सारंग पंचायत के चिढ़ावदिया गाँव में श्री दिनेश किशनलाल आंजना के अमरुद के उद्यान का निरिक्षण किया। किसान श्री दिनेश ने अमरूद के साथ चुकंदर भी उगा कर आसपास के किसानों के लिए बहुफसल का बहुत अच्छा उदाहरण पेश किया है।

इसके पश्चात बरखेड़ा मांडण पंचायत में एक बगिया मां के नाम अंतर्गत हितग्राही श्रीमती माया बाई ओमप्रकाश के द्वारा शासन की योजना अंतर्गत 100 संतरे के पौधे लगाए गए हैं। सीईओ जिला पंचायत के द्वारा पूछने पर हितग्राही ने जानकारी दी कि्ड्नियमानुसार पूर्ण भुगतान प्राप्त हुआ है एवं शासन से पौधे एवं तार फेंसिंग की सम्पूर्ण व्यय राशि प्राप्त होने की बात कही।

सीईओ जिला पंचायत के द्वारा पानखेड़ी पंचायत के गुराछा गाँव में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन ,सीसी रोड ,पुलिया का निरीक्षण किया, पंचायत को कर वसूली के लिए मोटिवेट किया इसके साथ ही पीएम आवास योजना में गति लाने के निर्देश दिए।

तत्पश्चात सीईओ जिला पंचायत द्वारा ग्राम सिमरोल के शेड निर्माण के गुणवत्ता की तारीफ की एवं सामुदायिक भवन ,सामुदायिक स्वछता परिसर का भी निरिक्षण किया एवं आवश्यक सफाई के निर्देश के साथ साथ सुविधा शुल्क ग्राम सभा की सहमति के आधार पर निर्धारित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे को लेकर कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के प्रस्तावित झाबुआ दौरे को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर मंचीय व्यवस्था, अतिथि दीर्घा, बैठक व्यवस्था, प्रदर्शनी स्थल, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, अस्थायी अस्पताल, शौचालयों की व्यवस्था एवं पेयजल की उपलब्धता का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्यपाल के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाएं तथा कार्यक्रम का आयोजन प्रोटोकॉल के अनुरूप गरिमामय एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा परिसर में साफ-सफाई, पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन समन्वय के साथ करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह संपन: 23 मार्च मशाल यात्रा को लेकर हुआ मंथन

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी पर्व के पश्चात बड़ावदा नगर के समीप स्थित प्रसिद्ध दार्शनिक स्थल हनुमान गढ़ी पर टीम नागेश बजरंगी द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें बड़ावदा नगर, आस पास ग्रामीण क्षेत्रों से सेकड़ो की संख्या में युवा उपस्थित हुए हनुमानगढ़ी के राजा उत्तरमुखी हनुमानजी की पूजा आरती के पश्चात कार्यकर्ता बैठक हुई जिसमें आगामी कार्यक्रम 23 मार्च बलिदान दिवस पर निकलने वाली ऐतिहासिक मशाल यात्रा की रूरेखा भी बनाई गई जिसके सभी ने मिलजुल कर भोजन ग्रहण किया , होली मिलन समारोह के दौरान कार्यकर्ताओ में उत्साह देखा गया व आगामी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया, कार्यक्रम में क्षेत्र के युवाओ के साथ नगर के समाजसेवी व पत्रकार भी उपस्थित हुए , हनुमानगढ़ी पर आयोजित टीम नागेश बजरंगी का होली मिलन समारोह ऐतिहासिक रहा कार्यकर्ताओ ने जितनी मेहनत और उत्साह के यह आयोजन किया उसी तरह हमे आगामी कार्यक्रम मशाल यात्रा को भी भव्य रूप देना है बड़ावदा क्षेत्र के युवाओं का कार्यक्रम के प्रति उत्साह यह बात सिद्ध करता है कि यहाँ के युवा देश व धर्म रक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित है।

अध्यक्ष ईश्वरलाल ने दीप प्रज्जवलित कर भगवान सहस्त्रबाहु का पूजन किया

जायसवाल समाज के 7 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जायसवाल समाज का 23वां सामूहिक विवाह सम्मेलन फोरलेन स्थित जायसवाल समाज मांगलिक भवन हरियाली पैलेस पिटगारा में रविवार को हुआ। सम्मेलन में 7 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। वर-वधू के माता-पिता का सत्कार किया गया। शुभारंभ में अध्यक्ष ईश्वरलाल जायसवाल ने भगवान सहस्त्रबाहु का दीप प्रज्जवलित कर पूजन किया। समिति की ओर से वर पधु को बैड, गोदरेज, बर्तन, मंगलसूत्र, पाईजेब, बिछिया, ताकपाट, घड़ी, आदि घरेलू सामग्री दी गई। सामूहिक विवाह की विधि आचार्य महेश पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य में द्वारा संपत्र कराई गई। सामूहिक सम्मेलन में अध्यक्ष जायसवाल व उनकी पत्नी कमलाबाई जायसवाल ने कन्यादान किया।

इस मोके पर जायसवाल समाज अध्यक्ष ईश्वरलाल जायसवाल,जनपद प्रतिनिधि बद्रीलाल जायसवाल जायसवाल, डॉ. पीएस जायसवाल, मनोहर जायसवाल, विष्णुलाल जायसवाल, सत्यनारायण जायसवाल, दिनेश जायसवाल बदनावर ,बाटबामंदा, बादल जायसवाल, सुरेश जायसवाल, संजय जायसवाल मुलथान, दशरथ जायसवाल नागदा, दिलीप जायसवाल चिराखन,पवन जायसवाल, अमित जायसवाल,राहुल जायसवाल,अनूप जायसवाल, उपस्थित थे जानकारी जायसवाल समाज मिडीया प्रभारी अनुप जायसवाल ने दी।

150 गांवों के किसानों ने 20 सहकारी समितियों पर एक साथ खड़े होकर अपनी आवाज उठाई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुबह 11 बजे एक ही समय पर किसानों ने अपनी-अपनी सोसाइटी पर पहुंचकर ज्ञापन दिया। यह पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में किसान एक समय, एक मांग और एक आवाज के साथ खड़े हुए हैं। जिन सोसाइटी में किसानों ने एक साथ ज्ञापन दिए उनमें बिड़वाल, कोद, पलवाड़ा, संदला, बरमंडल, खाचरोदा, गाजनोद, कानवन, कड़ोद कला, दसाई, बखतगढ़, खिलेड़ी, काछीबड़ौदा, ढोलाना और नागदा प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

मांग साफ है – सोसाइटी ऋृण जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल की जाए और गेहूं की खरीदी ?2700 प्रति क्विंटल पर सुनिश्चित की जाए।

यह शुरुआत है। 13 मार्च को धार कलेक्टर को किसानों की ओर से ज्ञापन दिया जाएगा। जरूरत पड़ी तो किसान भोपाल तक भी खुद अपनी बात मजबूती से रखेंगे। गांव-गांव का किसान अब समझ गया है कि जब किसान एकजुट होता है तो उसकी आवाज दबती नहीं, दूर तक गूंजती है। जय किसान – किसान एकता जिंदाबाद

नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कराये राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण - श्री मो.रईस खान

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 14 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय सहित तहसील न्यायालयों में किया जायेगा। लोक अदालत के संबंध में बुधवार को विशेष न्यायाधीश/नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत बड़वानी श्री मो.रईस खान की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता में विशेष न्यायाधीश श्री मो. रईस खान, सचिव/ न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बड़वानी श्री अमूल मण्डलोई, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राबिन दयाल उपस्थित थे। विशेष न्यायाधीश श्री श्री मो. रईस खान ने बताया गया कि 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में लिटिगेशन प्रकरण 826 एवं प्रिलिटिगेशन 4321 प्रकरण रखे जायेंगे। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिले में कुल 18 खण्डपीठो का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में विद्युत छुट, जलकर छुट सम्पत्तिकर छुट दी जायेगी। जिसमें विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अन्तर्गत लंबित प्रकरणों में निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू समस्त कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को निम्नानुसार छूट दी जायेगी। ऽ प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छमाही चक्र वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जायेगी। ऽ लिटिगेशन स्तर पर कंपनी आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की में अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छमाही यन्त्रा वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जावेगी।

सैकडो क्रिकेट प्रेमियों की मौजूदगी में विधायक भंवरसिंह शेखावत ने क्रिकेट के महासमर की शुरुआत पहली बाल खेलकर की गई

विधायक शेखावत ने सिक्का उछालकर मेच की ओपचारिकताएं पूरी की

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के मार्गदर्शन में बाबूजी प्रीमियर लीग 2,0 क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरुआत मंगलवार को जनपद पंचायत भवन के सामने मैदान में हुई। सर्वप्रथम विघ्नहर्ता श्री गणेषजी की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात पीच की पूजा अर्चना कर खिलाडियों को कीट वितरण किये गए। विधायक शेखावत ने पहली बाल खेलकर प्रतियोगिता की शुरुआत की। पहले दिन बी ग्रुप की आठ टीमों के बीच नॉक आउट मुकाबले खेले गये। अगले दौर हेतु बालाजी किक्रेट क्लब ने बोडाना 11 माकनी को आठ विकेट से हराकर क्वालीफाई किया।

विधायक मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने बताया कि बाबूजी प्रीमियर लीग 2,0 की रंगारंग शुरुआत हुई। सैकडो किक्रेट प्रमियों की मौजूदगी में विधायक भंवरसिंह शेखावत ने क्रिकेट के महासमर की शुरुआत पहली बाल खेलकर की गई। तत्पश्चात प्रतियोगिता का पहला मैच खेलने वाली केटीसी ग्रुप एवं डायनामिक्स बदनावर के खिलाडियों से परिचय कर सिक्का उछाला। डायनामिक्स ने टॉस जीत कर पहले बालिंग का निर्णय लेकर केटीसी को बेटिंग हेतु बुलाया। केटीसी ने 6 विकेट के नुकसान पर 64 रन बनाएं। डायनामिक्स ने 3 विकेट से मुकाबला जीत लिया।

दुसरा मुकाबला स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर व बोडाना 11 माकनी के बीच खेला गया। माकनी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी कर 5 विकेट पर 119 बनाए। जवाब में बदनावर टीम निर्धारित ओवर में मात्र 38 रन ही बना सकी। 81 रन से मुकाबला हार गई।

तीसरा मुकाबला कृषि उपज मंडी व श्रीराम क्रिकेट क्लब के बीच खेजा गया। जिसमें श्रीराम क्रिकेट क्लब विजयी रही। चैथा मैच बालाजी किक्रट क्लब व प्रियदर्शनी किर्केट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें बालाजी किकेट क्लब ने 70 रन से जीत हासिल की।

अगले दौर के मुकाबल में बोडाना 11 माकनी व बदनावर डायनामिक्स के बीच हुए मैच में बाडोना 11 ने 39 रनसे जीत दर्ज की। वही बालाजी किकेट क्लब व श्रीराम किक्रेट क्लब के बीच हुए मुकाबले में बालाजी क्लब ने 44 रन से जीत दर्ज की। नॉक आउट मुकाबला बालाजी क्लब व बोडाना 11 के बीच खेला गया। जिसमें बालाजी क्लब ने 8 विकेट से जीत दर्ज कर अगले दौर हेतु क्वालीफाई किया।

दुधिया रोशनी में खेले गए मुकाबले को देखने हेतु बडी तादाद में किक्रेट प्रेमी देर रात तक मौजूद रहे। विधायक भंवरसिंह शेखावत, वरिश्ठ सदस्य रमेशदेव, लियाकत पटेल, धमेन्द्र अग्निहोत्री, दिनेश रघुवंशी, परितोशसिंह बंजी बना, घनश्यामसिंह डोडिया, सोनू जाट, बीआरसी डीएन गुजराती, राजेश राठौड, नितीन सांखला, देवपालसिंह जादव, जगदीश पाटीदार, सुरेन्द्र गोयल, संदीपसिंह शेखावत सहीत गणमान्य नागरिको ने देर रात तक खेल का लुत्फ उठाया। पहले दिन ही चैको- छक्कों पर खिलाडियों ने दाद बटोरी।

बाबूजी प्रीमियर लीग किक्रेट प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण टीजीएस लाइव चैनल पर रोजाना किया जाएगा। किकेट मैच का आंखोदेख हाल मनभावन एवं आचैक शब्दो में जुगलकिशोर जाट, फैजानबाबा सुसनेर, सचिन पाण्डे नागदा एवं जय सिसौदिया ने सुनाया गया। मैच में अंपारिंग अरुण जैन, मोहसिन खान, दिलीप परमार ने की। आदित्य द्विवेदी ने टीजीएस लाइव पर आनलाइन डाटा अपलोड किया गया। मैच के सभी परिणाम आनलाइन भी देखने की सुविधा है। खिलाडियों एवं दर्शको हेतु स्वल्पहार की व्यवस्था निशुल्क रखी गई थी। बाबूजी प्रीमियर लीग बीपीएल में इस बार 144 टीमें भाग लेगी।

प्रमुख सचिव द्वारा वीसी के माध्यम से राजस्व विभाग की पाक्षिक समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व विभाग की पाक्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों से राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण पर विशेष जोर देते हुए लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय पर राजस्व सेवाओं का लाभ मिल सके। इसके साथ ही राजस्व सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए सभी जिलों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के कार्य में गति लाते हुए लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाए तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में ई-बस्ता प्रणाली के अंतर्गत पटवारियों को उपलब्ध कराए गए लैपटॉप की सारा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से एंट्री सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। प्रमुख सचिव ने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से राजस्व अभिलेखों का डिजिटल प्रबंधन सुदृढ़ होगा तथा कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। इसके साथ ही स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामों में चल रही ग्राउंड ट्रूथिंग प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि संपत्तियों का सटीक सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

ऋषभ जन्म कल्याणक महोत्सव

मालवा के ऐतिहासिक नगर वर्द्धमानपुर बदनावर के भूगर्भ से प्राप्त आदिनाथ स्वामी का मूर्तिशिल्प

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यकाल में भारतीय संस्कृति विरासत एवं मंदिरों का जो विध्वंसकारी मंज़र हमें इतिहास में पढ़ने को मिलता है, जिसमें भारत के कई विशिष्ट ऐतिहासिक नगर जमींदोज हो गए और उनका नाम स्मरण तक नहीं रहा। उन्हीं नगरों में एक मालवा का एक प्राचीन धर्म क्षेत्र वर्द्धमानपुर है, जिसका वर्तमान नाम बदनावर है। यह स्थान गुप्त काल से लेकर मध्य काल तक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप में अत्यंत समृद्ध रहा जिसका उल्लेख आठवीं शताब्दी में महाकवि प्रबुध्दाचार्य श्री जिनसेण स्वामी ने अपने हरिवंश पुराण की प्रशस्ति में इस नगर के नाम के उल्लेख करते हुए किया जो महत्वपूर्ण है।

उक्त जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि बदनावर (वर्द्धमानपुर) नगर के भूगर्भ से सैकड़ो जिन प्रतिमाएं प्राप्त हुई है। जिसमें भगवान आदिनाथ से लेकर महावीर स्वामी तक के लगभग सभी तीर्थंकरों की प्रतिमाएं प्राप्त हुई है। उसमें प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी की प्रतिमाएं बहुलता से प्राप्त हुई है। यहां का भोयरावाला मन्दिर अति प्राचीन होकर भगवान आदिनाथ स्वामी को ही समर्पित है। जवाहर मार्ग स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भी अन्य तीर्थंकर प्रतिमाओं के साथ भगवान श्री आदिनाथ स्वामी की यही भूगर्भ से प्राप्त प्रतिमा विराजमान हैं। इसी प्रकार धार के जैन मंदिर में भी बदनावर वर्द्धमानपुर भूगर्भ से प्राप्त प्रतिमा विराजमान हैं। उज्जैन संग्रहालय में आदिनाथ स्वामी की लगभग 5-6 प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं। बदनावर वर्द्धमानपुर से प्राप्त प्रतिमाएं अपने आप में कई विशेषताएं लिए हुए है। यहां भगवान के यक्ष यक्षिकाए (रक्षक देवी देवता) की प्रतिमाए भी प्रचूर मात्रा में प्राप्त हुई है। जिसमें भगवान आदिनाथ स्वामी की यक्षिका चक्रेश्वरी देवी की बहुत बहुत सुंदर लेख युक्त प्रतिमा भी प्राप्त हुए हैं जो वर्तमान में निकट ही आमला ग्राम के श्वेतांबर जैन मन्दिर में विराजमान हैं। यह प्रतिमा की नक्काशी की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इसके पादपीठ पर जो लेख अंकित है उसमें बदनावर के प्राचीन नाम का भी स्पष्ट उल्लेख मिलता है। यह इतिहास व पुरातत्व की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण प्रतिमा है क्योंकि इसमें प्रतिमा के प्रतिष्ठा का संवत् 1224 के साथ ही जैन संत पंडिताचार्य श्री धर्म कीर्ति और उनके शिष्य ललित कीर्ति के नाम के साथ श्रावक-श्राविकाओं के नाम का महत्वपूर्ण उल्लेख है। ये सभी प्रतिमाएं लगभग 8वीं 9वीं शताब्दी से लेकर 13वीं 14वीं शताब्दी की है ।

चैत्र कृष्ण नवमी 12 मार्च गुरूवार को भगवान श्री आदिनाथ जन्म कल्याणक दिवस पर सभी मंदिरों में इन भूगर्भ से प्राप्त तीर्थंकर प्रतिमाओं के अभिषेक पुजन आदि विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

भगवान ऋषभदेव को अन्तराय कर्म के उदय से 13 माह तक आहार नहीं मिला

भगवान ऋषभदेव जन्म कल्याणक दिवस पर तेरापंथ संतश्री कोमलकुमारमुनिजी ने जैन उपाश्रय भवन बखतगढ़ में धर्मसभा के दौरान फरमाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऋृषभदेव भगवान ने असी, मसी, कृषि के द्वारा संसार चलाने का सारा साधन बताया। उन्होंने अपनी आत्मा का उद्धार करने के लिए सांसारिक जीवन का त्याग कर दीक्षा अंगीकार की। आहार का ऐसा अन्तराय कर्म का उदय आया कि उन्हें 13 माह तक आहार नहीं मिला। उक्त उदगार जैन धर्मावलंबियों के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋृषभदेव जी के जन्म कल्याणक दिवस पर तेरापंथ आचार्यश्री महाश्रमणजी के आज्ञानुवर्ती श्री कोमलकुमारमुनिजी ने चैत्र विदी अष्टमी बुधवार 11 मार्च को जैन उपाश्रय भवन बखतगढ़ में धर्मसभा में व्यक्त किए। गौरतलब है कि चैत्र विदी अष्टमी के उक्त जन्म कल्याणक दिवस से कई आराधक वर्षीतप की आराधना प्रारंभ करते है। मुनिश्री ने भी सभी से वर्षीतप आराधना करने की प्रेरणा दी।

धर्म आत्म शुद्धि का साधन है- मुनिश्री ने आगे कहा कि धर्म का संग्रह करना अपना मुख्य कर्तव्य है। आज व्यक्ति धन के पीछे दौड़ रहा है। धन साथ रहने वाला नहीं है, धर्म ही भव भव साथ चलता है। जब तक व्यक्ति धर्म के मर्म को नहीं समझेगा तब तक वह अपने जीवन को व्यर्थ में बर्बाद ही करता है। धर्म आत्म शुद्धि का साधन है। सरलता एवं भाव के द्वारा ही जीवन में धर्म उतरता है।

मोह के त्याग के बाद ही जन्म मरण से छुटकारा मिलेगा मोह का त्याग करेंगे तो भव भव भटकना नहीं पड़ेगा- मुनिश्री ने कहा कि धर्म को धन से नहीं खरीदा जा सकता। जितने भाव सरल होंगे उतना ही धर्म अच्छा होगा। बच्चों में भी धर्म के संस्कार होना चाहिए। जहां धर्म है वहां उस घर में शांति होती है। व्यक्ति को मोह का परित्याग करना पड़ेगा, क्योंकि जब तक मोह का त्याग नहीं होगा तब तक जीव को संसार के भव भ्रमण में भटकना पड़ेगा और जन्म मरण के चक्कर से छुटकारा नहीं मिलेगा। भगवान ने तप में महान निर्जरा बतलाई है। यदि तप में जप व ज्ञान और जुड़ जाए तो तप में और निखार आ जाता है।

साधना के द्वारा ही जीवन को सार्थक कर सकते है- मुनिश्री ने वर्तमान को परिभाषित करते हुए कहा कि जो समय भूतकाल में बीत गया उसे छोड़ दे उसे याद रखने का कोई फायदा नहीं है और भविष्य की व्यर्थ की चिंता ना करे। जो वर्तमान में चिंतन करता है और साधना आराधना, धर्म करके अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करें वही व्यक्ति बुद्धिमान होता है। जो वर्तमान को समझता है वह विरोध को भी विनोद में बदल देता है और जो वर्तमान को नहीं समझता है वह विनोद को भी विरोध में बदल देता है।

सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी व डायलिसिस सुविधा का अभाव, मरीज परेशान

स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में मरीजों को भटकना पड़ रहा

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र सिविल अस्पताल सुसनेर में सोनोग्राफी मशीन और डायलिसिस यूनिट जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में इन सुविधाओं के अभाव में मरीजों को जांच और उपचार के लिए निजी सेंटरों या जिला अस्पताल का सहारा लेना पड़ता है। जिससे उन्हें आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। सुसनेर सिविल अस्पताल नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। यहां सुसनेर के साथ-साथ डोंगरगांव, सोयत और आसपास के कई गांवों के लोग उपचार के लिए आते हैं, लेकिन आवश्यक जांच सुविधाओं के अभाव में मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

निजी सेंटरों पर करानी पड़ती है सोनोग्राफी जांच- अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का सहारा लेना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं के लिए नियमित रूप से सोनोग्राफी जांच आवश्यक होती है, लेकिन सरकारी अस्पताल में यह सुविधा नहीं होने से उन्हें मजबूरी में निजी सेंटरों पर जाना पड़ता है। निजी सेंटरों पर जांच के लिए अधिक शुल्क देना पड़ता है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। कई बार आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मरीज समय पर जांच भी नहीं करा पाते।

किडनी रोगियों के लिए डायलिसिस यूनिट की सख्त जरूरत- क्षेत्र में किडनी से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से डायलिसिस कराना पड़ता है। जो उनके जीवन के लिए बेहद आवश्यक होता है। लेकिन सुसनेर सिविल अस्पताल में डायलिसिस यूनिट नहीं होने के कारण मरीजों को जिला अस्पताल या अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे मरीजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है।

जिला अस्पताल में भी करनी पड़ती है लंबी प्रतीक्षा- जिला अस्पताल में भी डायलिसिस मशीनों की संख्या सीमित होने के कारण मरीजों को कई बार 7 से 10 दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में गंभीर मरीजों के लिए यह इंतजार काफी मुश्किल भरा होता है। समय पर डायलिसिस नहीं होने से मरीजों की हालत बिगड़ने का खतरा बना रहता है। कई मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों में महंगे खर्च पर डायलिसिस कराना पड़ता है।

हजारों लोगों को मिल सकती है राहत- यदि सुसनेर सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन और डायलिसिस यूनिट स्थापित की जाती है तो क्षेत्र के हजारों लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सकेगा। स्थानीय स्तर पर ही जांच और उपचार की सुविधा मिलने से मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा और उन्हें जिला मुख्यालय या निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को भी बड़ी राहत मिल सकती है।

क्षेत्रवासियों ने शासन से की मांग- क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने शासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि सुसनेर सिविल अस्पताल में शीघ्र ही सोनोग्राफी मशीन और डायलिसिस यूनिट की स्थापना की जाए। साथ ही इन सुविधाओं के संचालन के लिए आवश्यक डॉक्टर, तकनीकी स्टाफ और उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएं, ताकि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि शासन द्वारा इन सुविधाओं की स्थापना जल्द की जाती है तो सुसनेर सहित डोंगरगांव, सोयत और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी और उन्हें अनावश्यक आर्थिक व मानसिक परेशानियों से राहत मिलेगी।

इनका कहना- क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे हैं। मेरे द्वारा विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार प्रश्न उठाए जा रहे हैं। सुसनेर सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन एवं डायलिसिस यूनिट की स्थापना के लिए भी शासन स्तर पर पहल की जाएगी, ताकि क्षेत्र की जनता को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार मिल सके।

-भैरोसिंह परिहार बापू, विधायक सुसनेर

हार्वेस्टर मशीन से गेहूं कटाई के साथ बन रहा भूसा, नरवाई जलाने की जरूरत खत्म

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग द्वारा किसानों को अनुदान पर हार्वेस्टर एवं अन्य कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनकी सहायता से गेहूं की कटाई के साथ-साथ नरवाई से भूसा भी तैयार किया जा रहा है। इस तकनीक के उपयोग से किसानों को अतिरिक्त लाभ मिल रहा है तथा खेतों में नरवाई जलाने की आवश्यकता भी नहीं पड़ती। कृषि उप संचालक श्री अशोक उपाध्याय ने बताया कि इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि खेतों की उर्वरता भी बनी रहती है और किसानों को बेहतर नरवाई प्रबंधन का लाभ मिल रहा है।

इसके अलावा विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए लाउड स्पीकर के माध्यम से निरंतर प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है, ताकि जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को पूरी तरह रोका जा सके।

कृषकों द्वारा नरवाई को जलाने से रोकने के लिए शासन द्वारा भी कई कदम उठाये गये हैं, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करने के लिए कुल 468 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी की गई है। वर्ष 2025-26 में नरवाई प्रबंधन से संबंधित 15 फसल अवशेष सप्लाई चैन (एग्रीगेटर) स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर, बेलर जैसे 07 हजार कृषि यंत्रों को अनुदान के माध्यम से वितरित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने किसानों से नरवाई प्रबंधन यंत्र अपनाने व नरवाई न जलाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि भूमि की उपजाऊ क्षमता बनाएं रखने हेतु खेतों में नरवाई नहीं जलाएं। सरकार किसानों को नरवाई प्रबंधन में उपयोग किये जाने वाले यंत्रों पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दे रही हैं। जो किसान यंत्र नही खरीद सकते वो किराये पर लेकर उपयोग करें, इन यंत्र के उपयोग से उत्पादन भी अधिक होगा तथा लागत भी कम लगेगी। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि किसान कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर अपनी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करें और पर्यावरण का संरक्षण करें।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत रामा में भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित, 176 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

मंत्री निर्मला भूरिया ने नवविवाहित दंपतियों को दिया आशीर्वाद

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत रामा में भव्य सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं और नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

इस अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में कुल 176 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, जिनमें रामा क्षेत्र के 84 जोड़े तथा राणापुर क्षेत्र के 92 जोड़े शामिल थे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां नवदंपतियों और उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विशेष रूप से गरीब परिवारों की बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह समाज में सहयोग, समानता और सहभागिता की भावना को भी मजबूत करता है। इस योजना के माध्यम से जहां एक ओर जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहयोग मिलता है, वहीं दूसरी ओर बेटियों के विवाह को गरिमा और सम्मान के साथ संपन्न कराया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि कोई भी गरीब परिवार अपनी बेटी के विवाह को लेकर आर्थिक चिंता में न रहे और हर बेटी का विवाह सम्मान के साथ संपन्न हो।

उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आपसी प्रेम, विश्वास और समझदारी के साथ अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत करें तथा परिवार और समाज के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी दंपतियों के सुखद, समृद्ध एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

जिलाध्यक्ष श्री भानु भूरिया ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

जवाहर नगर में दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग की वारदात, नीमच पुलिस ने अंतरराज्यीय गैंग का किया बड़ा खुलासा..

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसौदिया व नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री किरण चौहान के मार्गदर्शन, थाना प्रभारी नीमच केंट निरीक्षक निलेश अवस्थी एवं सायबर सेल प्रभारी प्रदीप शिन्दें के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना नीभवकेंट क्षेत्र में दिनांक 17 फरवरी 2028 को जवाहर नगर में अकेली महिला को निशाना बनाकर उनके गले में पहनी सोने की चेन को खिचकर भाग जाने वाले 02 अंतरराज्यीय चेन स्नेचरों को गिरफ्तार कर सोने की चेने व घटना में प्रयुक्त वाहन को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना का विवरण दिनांक 17 फरवरी 2026 को जवाहर नगर निवासी महिला के परिवार ने शादी का प्रोग्राम निरोगधाम के पास होने से उनके घर वापस वापस जाने के दौरान जवाहर नगर ने सामने से मोटर सायकल पर सवार दो लड़को द्वारा मोटर सायकल रोककर मोटर सायकल पर पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ झुमा झटकी कर गले में पहनी 02 तोले की सोने की चैन छिनकर दोनो व्यक्ति मोटर सायकल से भाग निकले। उक्त घटना पर से पुलिस थाना नीमच केंद पर अपराध क्रमांक 73/26 धारा 309 (6) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया दिनांक 17 फरवरी 2026 को जवाहर नगर में अकेली महिला को निशाना बनाकर उनके गले में पहनी सोने की चेन को खिचकर भाग जाने की घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा आरोपियों की पतारसी एवं धरपकड़ हेतु थाना प्रभारी नीमच केंट एवं सायबर सेल के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया पुलिस टीग द्वारा घटना स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों के लगभग 250 सी.सी.टी.वी कैमरे देखे जाने एवं तकनिकी साक्ष्य एकत्र किये जाने पर पर घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों का स्पष्ट सीसीटीवी फुटेज प्राप्त हुआ। पुलिस टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रो मंदसौर, निम्बाहेड़ा, चित्तौडगढ़, कोटा, झालावाड़ में उक्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त आरोपियों की पहचान करायी गयी।

परन्तु अपेक्षित सफलता प्राप्त नही हुई। आरोपी दिनांक 07.03.26 को भी चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से नीमच शहर में आये परन्तु पुलिस की सक्रियता से आरोपी वारदात को अंजाम देने में सफल नही हुए एवं पुलिस टीमों द्वारा पीछा करने पर रामपुरा के आगे जंगलों में मोटर सायकल छोड़कर भाग गये मोटर सायकल के नंबरों के आधार पर तकनिकी साक्ष्य एकत्र करते उक्त मोटर सायकल कोटा निवासी पुष्पेन्द्र शर्मा की पाई गई। प्रकरण में तकनिकी अनुसंधान के आधार पर चेन स्नेचिंग की बारदात को अंजाम देने में आरोपी पुष्पेन्द्र शर्मा के साथ आरोपी दीपक मीणा की पुष्टी हुई। आरोपी पुष्पेन्द्र शर्मा एवं दीपक मीणा का आपराधिक रिकार्ड खंगाला गया। जिसमें आरोपी पुष्पेन्द्र शर्मा पर कोटा एवं भीलवाडा जिलें में 15 अपराध एवं दीपक मीणा पर 04 अपराध कोटा एवं टॉक में पूर्व से पंजीबद्ध होना पाये गये।

पुलिस थाना नीमच केंट एवं सायबर सेल की टीम द्वारा आरोपियों को पकड़ने हेतु कोटा में कई जगह दबिश दी गई परन्तु आरोपीगण आदतन अपराधी होकर अपनी सकुनत से फरार हो गये। पुलिस टीम द्वारा निरंतर दबिश देने के फलस्वरूप दिनांक 08.03.26 को आरोपियों के गांधीसागर क्षेत्र में होने की सूचना प्राप्त होने पर थाना नीमच केंट, सायबर सेल एवं थाना रामपुरा पुलिस टीम द्वारा आरोपियों का पीछा किया जाने पर आरोपी वैराला के जंगलों में अपनी मोटर सायकल छोड़कर भाग निकलें। पुलिस टीमों द्वारा जगलों में लगातार सर्चिंग अभियान चलाकर आरोपी पुष्पेन्द्र शर्मा को पकड़ा गया, जबकि दीपक मीणा घने जंगलों का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस टीम द्वारा तकनिकी आधार पर आरोपी दीपक मीणा की तलाश करते हुए कोटा पहुँची. जहाँ कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी दीपक मीणा को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार किये गये अभियुक्तों का विवरण नाम आरोपी 01. पुष्पेन्द्र पित्ता बाबुलाल शर्मा उम्र 41 वर्ष निवासी प्रेमनगर-2 देवनारायण मंदिर के पास कोटा राज, 02. दीपक मीणा पिता मुकेश मीणा निवासी सुगाषनगर कोटा राजस्थान जप्त मश्रुका सोने की चेन 01 एंव घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल नम्बर RJ20-BB-6072 सराहनीय कार्य :- उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी नीमच केंट निरीक्षक निलेश अवस्थी, प्रभारी सायबर सेल प्रदीप शिन्दें, थाना प्रभारी रामपुरा उप निरीक्षक विपीन मसिह सहित थाना नीमच केंट टीम, सायबर सेल टीम एवं थाना रामपुरा टीम का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्रामों का दौरा किया

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बुधवार को जिले के छेगांवमाखन विकासखंड की पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सिलोदा, हैदरपुर, दौंदवाडा, चिचगोहन, सिर्रा, कोंडावत, भोंडवा, हरसवाडा में नवीन आंगनवाड़ी भवनों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान सभी नये आंगनबाड़ी भवनों में रूफ़ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने तथा इन आंगनवाड़ी केंद्रों में टीवी और आरओ वॉटर सिस्टम की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी आंगनवाड़ीयो भवनों का शेष कार्य जल्द पूर्ण करवाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत सिर्रा के रोजगार सहायक और सचिव को जलकर वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिचगोहन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर गर्भवती हाई रिस्क महिलाओं की जानकारी ली। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छैगांवमाखन की बाउंड्रीवॉल का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा और सहायक कलेक्टर डॉ. श्री कृष्णा सुशीर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

झंडा दिवस निधि में दान करने की कलेक्टर ने शासकीय सेवकों और नागरिकों से की अपील

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए, दिव्यांग हुए सैनिकों तथा पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जाते हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस पुनीत कार्य के लिए जिले के सभी अधिकारियों एवं नागरिकों से झंडा दिवस निधि में अधिक से अधिक दान करने की अपील की है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि भारतीय सेना के तीनों अंग देश की रक्षा के लिए सदैव सजग रहते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ देश की आंतरिक सुरक्षा एवं प्राकृतिक आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा में भी सेना का बहुत बड़ा योगदान है। कर्तव्य-पालन में हमारे अनेक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए हैं। उनके बलिदान एवं योगदान के लिए राष्ट्र उनका कृतज्ञ है। झंडा दिवस पर सशस्त्र सेनाओं के आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिये झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान के जरिए उनके प्रति कृतज्ञता और एकजुटता प्रदर्शित करने का एक उत्तम अवसर है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बताया कि इस राशि का उपयोग शहीद सैनिकों की विधवाओं, दिव्यांग हुए सैनिकों एवं अन्य भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये किया जाता है। पूरा देश झण्डा दिवस पर अपना अनुदान देकर सेना के प्रति अपनी एकता की भावना को व्यक्त करता है, जिससे सैनिक भी आश्वस्त होते हैं कि संपूर्ण देश उनके परिवार की सहायता के लिये प्रतिबद्ध है। इस दिवस पर हमारे देश के सैनिकों और देशवासियों के मध्य जो एक अपनेपन और विश्वास का रिश्ता है वो सुदृढ़ और आत्मीय होता है।

नीमच जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण महाअभियान आयोजित

जिले में 280 लक्षित बालिकाओं को लगाया एच.पी.वी. टीका

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिलें में संचालित एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान को गति देने के उद्देश?य से कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा में निर्देशन में बुधवार को जिले में महाअभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, महिला एंव बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं एन.आर.एल.एम. के मैदानी अमले का दल गठन कर, संयुक्त मोबिलाईजेशन की कार्ययोजना बनाई गई। इस योजना के परिणाम स्वरूप जिले में अब तक का एक दिवसीय सर्वाधित टीकाकरण हुआ।

उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि महाअभियान आयोजन के लिये जिले में विशेष तैयारी की गई तथा मॉनिटरिंग कार्ययोजना तैयार की गई। अभियान दिवस बुधवार को जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सिविल हास्पिटल जावद, प्रा.स्वा.केन्द्र डीकेन, प्रा.स्वा.केन्द्र सरवानिया महाराज में संचालित टीकाकरण बुथ का औचक निरीक्षण किया तथा प्रदाय की जा रही सेवाएं की जानकारी ली। इस अवसर पर श्री वैष्णव द्वारा मोबिलाईजेशन टीम से चर्चा करते हुए व्यवहारिक कठिनाईयों के बारें में जाना तथा दल को आगामी दिवस में अच्छा कार्य करने के लिये निर्देश प्रदाय किये।

महाअभियान में अनुविभागीय अधिकारी नीमच श्री संजीव साहू, अनुविभागीय अधिकारी जावद सुश्री प्रिती संघवी नाहर, के साथ ही जिला एवं ब्लाक स्तर के अधिकारि?यों द्वारा भी टीकाकरण बूथ का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा द्वारा प्रदाय निर्देशानुसार महाअभियान निरंतर जारी रहेगा एवं फील्ड का दल संयुक्त रूप से प्रतिदिन मोबिलाईजेशन कार्य करेगा। जिससे अधिक से अधिक किशोरी बालिकाओं को टीकाकृत कर बालिकाओं के भविष्य के सर्वाईकल कैंसर के खिलाफ सुरक्षा प्रदाय की जा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.प्रसाद ने बताया, कि आगामी दिवस में भी अभियान के दिवस आयोजित सत्र स्थल पर निरंतर टीकाकरण की सेवाए प्रदाय की जावेगी। जहा पर 14 वर्ष की किशोरियों को टीके लगाए जावेगे। डा.प्रसाद ने बताया, कि उक्त टीका पूर्णतः सुरक्षित होकर जिले में अब तक 700 से अधिक टीके लग चुके है। अभी तक इसका कोई भी प्रतिकूल प्रभाव देखने को नहीं मिला है। सभी किशोरियां भय मुक्त होकर अफवाहो पर ध्यान नहीं देते हुए अपने भविष्य को कैंसर जैसी भयावह बिमारी के खिलाफ सुरक्षित करें।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा किया गया बीआरसी केंद्र का शुभारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विभाग द्वारा इछावर तहसील के ग्राम गाजीखेड़ा में जैविक संसाधन केंद्र (बीआरसी) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने किसानों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस बीआरसी केंद्र के माध्यम से किसानों को जैविक उत्पाद बाजार की तुलना में कम लागत पर उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलेगी। बीआरसी केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस जैविक संसाधन केंद्र की उत्पादन क्षमता 45 दिनों में लगभग 300 लीटर जैविक घोल तैयार करने की है। इस केंद्र में कुल 10 प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इसके केंद्र में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पाद तैयार किए जाते हैं, जिनमें श्वरू-2 घोल, देसी कल्प अर्क, दशपर्णी अर्क, फल अर्क, सप्तधन्य अर्क, ह्यूमिक एसिड अर्क, अमिल अर्क, जैविक माइक्रोऑर्गेनिज्म स्लरी, फुल्विक एसिड घोल एवं वायमिल अर्क शामिल हैं। ये सभी उत्पाद प्राकृतिक एवं जैविक विधियों से तैयार किए जाते हैं। इनका उपयोग करने से मृदा में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, मृदा की संरचना एवं उर्वरता में सुधार होता है तथा पौधों को आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। साथ ही ये जैविक घोल पौधों की वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं, जड़ों के विकास को मजबूत बनाते हैं और फसलों को कीट एवं रोगों से सुरक्षित रखने में भी सहायक होते हैं।

इन जैविक उत्पादों के नियमित उपयोग से खेती की लागत कम होती है, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता घटती है तथा किसानों को स्वस्थ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलती है। साथ ही यह पहल क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस बीआरसी केंद्र से क्षेत्र के लगभग 314 किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ प्राप्त होगा। किसानों को यहां से जैविक घोल एवं अन्य जैविक इनपुट आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष ग्राम सेवनिया में भी जैविक संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया था, जो क्षेत्र में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री जगदीश मुजाल्दा सहित अन्य अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मोबाइल की लत से बिगड़ रही सेहत, उज्जैन में 80 हजार से ज्यादा लोग हाई ब्लडप्रेशर के शिकार

युवा और नाबालिग भी तेजी से चपेट में, अनियमित दिनचर्या व फास्ट फूड से बढ़ रहा खतरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्मार्ट मोबाइल का बढ़ता उपयोग अब सेहत पर भारी पड़ने लगा है। शहर में मोबाइल की लत, अनियमित दिनचर्या और फास्ट फूड के कारण हाई ब्लडप्रेशर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उज्जैन में 80 हजार से अधिक लोग हाई ब्लडप्रेशर की समस्या से पीड़ित हैं, जिनमें युवाओं और नाबालिगों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

जिला अस्पताल के चिकित्सक जितेन्द्र शर्मा के अनुसार मोबाइल और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग के कारण युवा वर्ग देर रात तक जागने लगा है। इससे उनकी दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो रही है। पहले जहां बच्चे और युवा मैदान में खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे, वहीं अब अधिकांश समय मोबाइल और लैपटॉप पर बिताया जा रहा है। इसका सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ रहा है और मोटापा, ब्लडप्रेशर तथा डायबिटीज जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। नेशनल हेल्थ मिशन के तहत की गई मेडिकल जांच में यह तथ्य सामने आया है कि शहर की लगभग दस प्रतिशत आबादी हाई ब्लडप्रेशर की चपेट में है। इसके अलावा लगभग 34 हजार लोग शुगर की बीमारी से भी पीड़ित हैं। डॉक्टरों का कहना है कि स्वस्थ व्यक्ति का सामान्य ब्लडप्रेशर 80-120 माना जाता है, लेकिन अनियमित जीवनशैली, तनाव और मोबाइल की अत्यधिक लत के कारण युवाओं में भी बीपी की समस्या देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए युवाओं को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

उज्जैन जिले के 1.19 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

सरकार देगी 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस, समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं शुरू

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू होने से पहले जिले के किसानों में पंजीयन को लेकर उत्साह देखा गया। अंतिम तिथि तक उज्जैन जिले के 1 लाख 19 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। प्रशासन द्वारा अब खरीदी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए बड़ी संख्या में किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों से अपील की गई है कि वे अपने बैंक खाते, आधार नंबर तथा मोबाइल नंबर को अपडेट रखें, ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न आए। खरीदी के दौरान भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाएगा।

इधर प्रशासन की ओर से जिले के विभिन्न खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। केंद्रों पर तौल कांटे, बारदाना, परिवहन और भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रदेश सरकार ने इस बार किसानों को राहत देते हुए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की है। इससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा और आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। प्रशासन का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रॉपर्टी डीलर ने न्यूरो सर्जन को लगाई 35 लाख की चपत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। न्यूरो सर्जन के साथ प्रॉपर्टी खरीदने के नाम पर 35 लाख की धोखाधड़ी होने के मामले में पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं अब आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि संत कबीर नगर में रहने वाले डॉ. रूपेश पिता प्रेमनारायण खत्री न्यूरो सर्जन हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में प्रापर्टी डीलर कमलेश से मित्रनगर में मकान खरीदने के लिये संपर्क किया था। कमलेश ने मकान दिखाया और 35 लाख रूपये कीमत बताई । डॉक्टर खत्री ने 20 लाख रूपये हरिफाटक ब्रिज के पास दिये और 15 लाख कमलेश के घर पर पहुंचकर दिये। 35 लाख देने के बाद कमलेश ने छलपूर्वक मकान की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली। काफी समय तक मकान नहीं मिलने और रजिस्ट्री नहीं कराने पर कमलेश से डॉ. खत्री ने संपर्क किया तो आनाकानी करने लगा। जानकारी जुटाने पर सामने आया कि प्रापर्टी डीलर ने धोखाधड़ी कर रजिस्ट्री अपने नाम करा ली है। डॉ. खत्री द्वारा मामले की शिकायत नीलगंगा थाना पुलिस को दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद मामले में धोखाधडी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी कमलेश की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किये है।

गौ संरक्षण के लिए सख्त कानून और गौ मंत्रालय बनाने की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कपिला गौशाला में आयोजित प्रेस वार्ता में संत विशालदास महाराज ने गौ रक्षा और गौ सम्मान को लेकर कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने देशभर में गौ संरक्षण को मजबूत बनाने के लिए सख्त कानून बनाने और केंद्र स्तर पर अलग से गौ मंत्रालय गठित करने की आवश्यकता बताई।

संत विशालदास महाराज ने कहा कि देश में गाय को सेवा, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए व्यापक जनजागरण जरूरी है। इसी उद्देश्य से गौ सम्मान अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से समाज और सरकार दोनों का ध्यान गौ संरक्षण की ओर आकर्षित किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि गाय माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिया जाए, ताकि उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए देशभर में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही गौ हत्या पर पूरे भारत में पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की भी मांग की गई। उन्होंने कहा कि गौ हत्या करने, करवाने या गौ मांस के सेवन करने वालों के लिए मृत्यु दंड या आजीवन कारावास जैसी कठोर सजा का प्रावधान होना चाहिए। प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि गांवों और शहरों में गायों के लिए पर्याप्त भूमि आवंटित की जाए, ताकि गौशालाओं और गौ संरक्षण केंद्रों को मजबूत बनाया जा सके। इसके साथ ही गाय के दूध, गौमूत्र और गोबर के महत्व का देशभर में प्रचार-प्रसार किया जाए तथा गाय से बने उत्पादों और खाद्य पदार्थों पर सरकारी सब्सिडी दी जाए। संत विशालदास महाराज ने बताया कि गौ सम्मान अभियान के तहत 27 अप्रैल से 27 जुलाई 2026 तक संभाग स्तर पर लगभग 5000 गांवों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से लोगों को गौ संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा और सरकार तक जनभावनाओं को पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

धार्मिक नगरी में बढ़ी भिक्षावृत्ति... हर सप्ताह बाहर से आते सैंकड़ों भिखारी

रामघाट, महाकाल मंदिर और हरसिद्धि क्षेत्र में जमाए ठिकान – पुलिस वैरिफिकेशन नहीं होने से समस्या बढ़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन में भिक्षावृत्ति की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। हर सप्ताह शनिवार से सोमवार के बीच शहर में बाहर से सैंकड़ों भिखारी पहुंच जाते हैं और विभिन्न धार्मिक स्थलों तथा चौराहों पर भीख मांगते नजर आते हैं। विशेष रूप से महाकाल मंदिर, रामघाट और हरसिद्धि क्षेत्र में इनकी बड़ी संख्या देखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि सप्ताहांत में मंदिरों और शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढने के साथ ही अन्य शहरों से भिखारी उज्जैन पहुंच जाते हैं। ये लोग बसों और ट्रेनों के माध्यम से शनिवार को शहर में आते हैं और सोमवार तक यहां रुककर भीख मांगते हैं। इस दौरान उन्हें हजारों रुपये तक की भीख मिल जाती है, जिसके बाद वे वापस लौट जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि महाकाल लोक बनने के बाद शहर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है, जिसके चलते भिक्षावृत्ति का धंधा भी तेजी से बढ़ा है। पहले जहां महाकाल मंदिर और रामघाट क्षेत्र में केवल असहाय या दिव्यांग लोग ही भिक्षावृत्ति करते दिखाई देते थे, वहीं अब बड़ी संख्या में बाहरी भिखारी यहां डेरा डाले हुए नजर आते हैं। इस स्थिति से श्रद्धालु और पर्यटक भी परेशान हो रहे हैं। शहर के प्रमुख चौराहों और धार्मिक स्थलों पर वाहन रुकते ही महिलाएं और बुजुर्ग पैसे मांगने के लिए पहुंच जाते हैं। कोयला फाटक चौराहा और चामुंडा माता चौराहा जैसे स्थानों पर यह स्थिति अक्सर देखने को मिलती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा इन भिखारियों का वैरिफिकेशन नहीं किया जा रहा है और न ही किसी तरह की सख्ती दिखाई दे रही है। वहीं जिला प्रशासन द्वारा भी शहर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए कोई ठोस अभियान शुरू नहीं किया गया है। बता दें कि 2 वर्ष पहले महिला एवं बाल विकास विभाग ने बाल भिक्षुओं को समझाइश देने के लिए अभियान चलाया था, लेकिन कुछ समय बाद यह अभियान बंद हो गया। वहीं केंद्र सरकार द्वारा भिक्षावृत्ति से मुक्ति के लिए उज्जैन को 17.5 लाख रुपये की राशि भी दी गई थी, जो अभी तक नगर निगम के पास ही पड़ी है और इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

3.8 करोड़ से निखरा ऐतिहासिक गंधर्व तालाब, अंतिम चरण में पहुंचा जीर्णोद्धार कार्य, वॉकिंग पाथ, डबल घाट और फाउंटेन से बढ़ेगी तालाब की सुंदरता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदिरा नगर स्थित ऐतिहासिक गंधर्व तालाब अब अपने नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आने की तैयारी में है। करीब 3.8 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुके हैं। कार्य पूरा होते ही यह प्राचीन तालाब शहरवासियों के लिए न सिर्फ आस्था का केंद्र रहेगा, बल्कि एक नए पर्यटन स्थल के रूप में भी पहचान बनाएगा। अब शहर को इसके लोकार्पण का इंतजार है।

महापौर ने हाल ही में तालाब क्षेत्र का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष कार्यों को तेजी से पूरा कर लोकार्पण की तैयारियां शुरू की जाएं, ताकि शहरवासियों को जल्द ही इस विकसित स्थल की सौगात मिल सके। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा और नगर निगम के तकनीकी अधिकारी भी मौजूद रहे।

महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि गंधर्व तालाब में स्टोन पिचिंग और व्यापक सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद यह प्राचीन धरोहर एक नए और आकर्षक रूप में दिखाई देगी, जिससे यहां आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। तालाब में पानी के बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से डबल घाट तैयार किए गए हैं। इन घाटों के साथ मजबूत सीढ़ियां बनाई गई हैं, ताकि जलस्तर ऊपर आने की स्थिति में भी श्रद्धालु और नागरिक सुरक्षित रूप से घाटों का उपयोग कर सकें।

वहीं मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों के लिए तालाब के किनारे करीब 450 मीटर लंबा वॉकिंग पाथवे तैयार किया गया है। इसके साथ ही पूरे परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए विशेष ग्रीनरी विकसित की जा रही है, जिससे वातावरण और भी मनमोहक बनेगा। सुरक्षा और सौंदर्य को ध्यान में रखते हुए तालाब परिसर में मजबूत बाउंड्रीवॉल बनाई गई है और मुख्य द्वार पर मजबूत ग्रिल लगाई गई है। रात के समय तालाब की खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए आकर्षक बिजली के पोल और फाउंटेन भी लगाए गए हैं।

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार कार्य पूरा होने के बाद गंधर्व तालाब न केवल शहर की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान मजबूत करेगा, बल्कि यह उज्जैन में पर्यटन और स्थानीय लोगों के मनोरंजन का भी प्रमुख केंद्र बन जाएगा।

रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की लाश, 2 दिन से था लापता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में रेलवे ट्रैक पर एक युवक की कटी लाश पुलिस ने सूचना मिलने पर बरामद की। जिसकी पहचान दस्तावेजों से धार निवासी के रूप में की गई। परिजन सूचना मिलने पर उज्जैन पहुंचे युवक 2 दिन से घर नहीं लौटा था। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि रात में कुछ लोगों ने क्षेत्र से गुजर रहे रेलवे ट्रैक पर एक युवक की कटी लाश पड़ी होने की सूचना दी थी। मौके से लाश को बरामद कर चरक अस्पताल लाया गया। युवक के पास दस्तावेज मिले जिसके आधार पर पता चला कि उसका नाम अमित पिता हरिराम राठौर 21 वर्ष निवासी ग्राम सनौली कानून नागदा धार है। रात में ही परिजनों को सूचना दी गई। सुबह भाई और रिश्तेदार उज्जैन पहुंचे जिन्होंने बताया कि अमित मेले में खिलौने बेचने का काम करता था। 2 दिन पहले समीप के गांव में मेला लगा होने का बोलकर घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा था। परिजनों ने उसके उज्जैन तक आने तक आने की बात से अनभिज्ञता जताई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा। जिसे अंतिम संस्कार के लिए धारर ले जाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक युवक के साथ हादसा हुआ है या फिर उसने आत्महत्या की है।

इंगोरिया में दो बाइक के बीच भिड़ंत, 3 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में बड़नगर मार्ग पर दो बाइक के बीच भिड़ंत हो गई जिसमें तीन लोग घायल हो गए। तीनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। दुर्घटना में एक बालिका को मामूली खरोच आई है। ग्राम दंगवाड़ा का रहने वाला राकेश पिता राजाराम 35 वर्ष अपने पिता राजाराम और बेटी अनुष्का के साथ बाइक से शादी में शामिल होने के लिए ग्राम चंदू खेड़ी आया हुआ था रात में तीनो वापस अपने गांव लौट रहे। बड़नगर मार्ग इंगोरिया में उनके भिड़ंत सामने से आ रही बाइक से हो गई। दुर्घटना में राकेश और उसके पिता घायल हो गए वहीं बेटी अनुष्का को मामूली चोट लगी। सामने दूसरी बाइक पर अजय पिता जस्सू भाई निवासी गुजरात सवार था उसे भी चोट लगी। तीनों घायलों को रात में ही उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया। घायल अजय ने बताया कि वह हार्वेस्टर मशीन चलाने का काम करता है और फसल कटाई के लिए इंगोरिया आया हुआ था रात में वह खाना खाकर वापस खेत की ओर जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। दुर्घटना का एक मामला रात में एमआईटी कॉलेज मार्ग पर राजेश पिता भवर योगी निवासी ग्राम कड़छा नरवर को अज्ञात बाइक चालक ने टक्कर मार दी। राजेश पैदल घर जा रहा था। नरवर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

12 मार्च को उज्जैन पहुंचेगी सरदार एकता यात्रा, युवा चेतना और राष्ट्रीय एकता का देगी संदेश

गुजरात के अहमदाबाद से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दिखाई हरी झंडी– 40 दिन में 36 जिलों का करेगी भ्रमण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर निकाली जा रही सरदार एकता यात्रा 12 मार्च को उज्जैन पहुंचेगी। यह यात्रा गुजरात से शुरू होकर मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से गुजरते हुए राष्ट्रीय एकता, युवा चेतना और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दे रही है।

अखिल भारतीय सरदार पटेल विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक तथा अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गणेश एस. चौधरी ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ 5 मार्च को गुजरात के अहमदाबाद में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह 40 दिवसीय यात्रा 36 जिलों के 96 स्थानों से गुजरते हुए युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य केवल दूरी तय करना नहीं बल्कि समाज के लोगों को एक सूत्र में जोड़ना है। यह अभियान राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और युवा जागरूकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रहा है।

उज्जैन में सुबह 11:30 से 12 बजे के बीच होगा प्रवेश- यात्रा 6 मार्च को मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले से राज्य में प्रवेश कर चुकी है और विभिन्न शहरों से होते हुए 12 मार्च को उज्जैन पहुंचेगी। उज्जैन में यात्रा मक्सी रोड के हरसोदन और पाटपाला से प्रवेश करेगी। इसके बाद पवासा टावर चौक, शांति पैलेस, नानाखेड़ा और चिंतामणि क्षेत्र से होते हुए श्रीराम वाटिका पहुंचेगी। यहां दोपहर बाद आगे की यात्रा इंदौर की ओर रवाना होगी।

मुख्यमंत्री से स्वागत का अनुरोध- गणेश चौधरी ने बताया कि यात्रा के उज्जैन आगमन पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से यात्रा के स्वागत और युवाओं का उत्साहवर्धन करने का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध संभाग आयुक्त और कलेक्टर उज्जैन के माध्यम से किया गया है।

बड़ी संख्या में शामिल होंगे समाजजन- यात्रा में कृषक कुर्मी पाटीदार समाज, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों की बड़ी भागीदारी रहेगी। अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश डी. पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वी.एस. निरंजन (पूर्व आईएएस) सहित कई राष्ट्रीय और प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी यात्रा से जुड़े हुए हैं। प्रदेश में समाज के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल, महिला शाखा अध्यक्ष डॉ. लता वानखेड़े, प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना पटेल सहित कई पदाधिकारी यात्रा के स्वागत और आयोजन में शामिल रहेंगे। आयोजकों ने समाज के युवाओं, किसानों और नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होकर सरदार एकता यात्रा को सफल बनाने की अपील की है।

मायके में रहने वाली विवाहिता ने लगाई फांसी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बच्ची की मां ने बीती रात कमरे में फांसी लगा ली, बुधवार सुबह पिता पहुंचे तो उन्हें बेटी फंदे पर लटकी दिखाई दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। चिमनगंज क्षेत्र की अतिरिक्त विश्व बैंक कॉलोनी में रहने वाली नीलोफर पिता रियाज 35 वर्ष का शव फंदे पर लटका होने की सूचना मिलने पर पुलिस आज सुबह पहुंची थी। घटनास्थल कमरे की जांच के बाद नीलोफर की बॉडी को नीचे उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया। इस दौरान परिजनों ने बताया कि नीलोफर एक बच्ची की मां थी 8 साल पहले उसकी शादी शाजापुर में की गई थी, लेकिन कुछ माह बाद ही पति का घर छोड़कर मायके में रहने आ गई थी। नीलोफर ने ऐसा कदम क्यों उठाया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिजनों का कहना था कि रात में उसने सभी को चाय बनाकर पिलाई थी उसे वक्त ऐसा कुछ नहीं लग रह था कि वह तनाव में है या फिर उसे कोई परेशानी है पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया और मामले की जांच शुरू की है।

उत्पादक समूहों की आय बढ़ाने वैल्यू एडिशन अपनाएं-सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित उत्पादक समूहों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट ने जिले में गठित उत्पादक समूहों के प्रतिनिधियों से उनके कार्यों, अर्जित आय, लाभ की स्थिति तथा आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वित्तीय अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी उत्पादक समूहों के बैंक खातों में निर्धारित राशि शीघ्र हस्तांतरित की जाए तथा उपलब्ध फंड का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए, जिससे समूहों की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देशित किया कि सभी पुराने एवं नवीन उत्पादक समूह अपने क्रय-विक्रय का नियमित और सटीक लेखा-जोखा रखें तथा रिकॉर्ड कीपिंग को व्यवस्थित बनाए रखें। साथ ही समूहों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि पारंपरिक व्यापार के साथ-साथ उत्पादों में वैल्यू एडिशन (मूल्य संवर्धन) की प्रक्रिया भी अपनाई जाए, जिससे बाजार में उत्पादों का मूल्य बढ़े और समूह सदस्यों की आय में वृद्धि हो सके। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, जिसके लिए सभी समूहों को व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाते हुए आगामी कार्ययोजना पर गंभीरता से कार्य करना होगा।

नौकरानी निकली चोर, 15 ग्राम का मंगलसूत्र बरामद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घरेलू काम करने वाली नौकरानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिससे 15 ग्राम होने का मंगलसूत्र बरामद हुआ है। नौकरानी पर पूर्व में भी अंगूठी चोरी करने की शंका है। पुलिस ने न्यायालय में पेश कर रिमांड पर दिया है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार को माधव क्लब के पास गिरिराज हेरिटेज में रहने वाली स्वाती पति दीपक मिश्रा पति के साथ थाना उपस्थित हुई थी और मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सिविल हॉस्पिटल में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत है। 15 फरवरी को रात्रि लगभग 11 बजे उसने अपना सोने का मंगलसूत्र (वजन लगभग 15 ग्राम) घर के ड्रेसिंग रूम की दराज में रखा था। 7 मार्च को रात्रि लगभग 9 बजे देखने पर मंगलसूत्र वहाँ नहीं मिला। घर में अन्य स्थानों पर तलाश करने पर भी नहीं मिला। स्वाती मिश्रा ने बताया कि उसके यहां घरेलू कार्य के लिए नवंबर 2025 से वर्षा पांडे निवासी महालक्ष्मी नगर, नागझिरी उज्जैन आती है, इसके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का आना-जाना नहीं है। दिसंबर माह में सोने की अंगूठी (वजन लगभग 08 ग्राम) भी इसी प्रकार चोरी हो गई थी, जिसकी रिपोर्ट उस समय नहीं कराई गई थी। उसे मंगलसूत्र चोरी में वर्षा पांडे पर शंका है। मौखिक शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया। फरियादिया द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर उनके घर में कार्य करने वाली वर्षा पांडे पति स्व. ब्रजेश पांडे 38 वर्ष निवासी महालक्ष्मी नगर नागझिरी उज्जैन को संदेह के आधार पर राउंडअप कर पूछताछ की गई। आरोपिया वर्षा पांडे द्वारा घटना दिनांक को फरियादिया के घर से सोने का मंगलसूत्र चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी गया सोने का मंगलसूत्र (वजन लगभग 15 ग्राम) विधिवत जप्त कर लिया गया है। बुधवार को न्यायालय में पेश कर आरोपिया को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूर्व में चोरी गई सोने की अंगूठी के संबंध में भी आरोपिया से पूछताछ जारी है। मामले का खुलासा करने में थाना प्रभारी निरी तरुण कुरील, प्रधान आरक्षक पीयूष मिश्रा, कपिल राठौर, आरक्षक कमल पटेल, पुष्पराज का सहयोग रहा।

ट्रेनों में फिर यात्रियों के साथ हुई चोरी की वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेनों में यात्रियों के साथ होने वाली चोरी की वारदात काम नहीं हो रही है। एक बार फिर दो ट्रेनों में यात्रियों का समान बदमाशों ने चोरी कर लिया। ट्रेनों के उज्जैन पहुंचने पर यात्रियों ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई है। बड़ोदरा से दोंड एक्सप्रेस में वंशिका पिता राजकुमार जैन देवास की यात्रा कर रही थी ट्रेन के उज्जैन पहुंचने से पहले रात में अज्ञात बदमाशों ने उसका बैग चोरी कर लिया जिसमें हजारों रुपए कीमत का लैपटॉप रखा हुआ था। माही गोरखपुर का रहने वाला मदनमणि त्रिपाठी गोरखपुर अहमदाबाद ट्रेन में यात्रा कर उज्जैन आ रहा था। रास्ते में अज्ञात बदमाशों ने उसका बैग चोरी कर लिया। जिसमें सोने की चेन, टॉप्स, मंगलसूत्र, अंगूठी, 10 हजार रुपए नगद और 15 साड़ी रखी हुई थी। दोनों ट्रेनों में हुई चोरी की वारदात के बाद यात्रियों ने जीआरपी पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। विदित हो कि ट्रेनों में प्रतिदिन यात्रियों का सामान चोरी होने की वारदातें सामने आ रही हैं। वारदात करने वाले अधिकांश रात के समय चोरी को अंजाम दे रहे हैं। यात्रियों की नींद लगने का फायदा उठाया जा रहा है और रास्ते में ही छोटे स्टॉपेज आने पर बदमाश उतरकर भाग रहे हैं। जिनका पता लगा पाना जीआरपी के लिए मुश्किल होता जा रहा है। पुलिस उन्ही वारदातों में बदमाशों तक पहुंच पा रही है जिन वारदातों में मोबाइल चोरी होना सामने आ रहा है पुलिस तकनीकी मदद और लोकेशन से बदमाशों तक पहुंच पा रही है। ट्रेनों में आरपीएफ की मौजूदगी होती है और सर्चिंग की जाती है बावजूद इसके बदमाश यात्रियों का सामान चोरी करने से नहीं चूक रहे हैं।